XLRI in News
September 2018

PUBLICATION: Careers 360
DATE: September, 2018
PAGE: 8

IASCC-XLRI Leadership Conclave

INAUGURATION OF the 'Leadership Conclave'

Leadership Conclave, which was a two-day event hosted by Institute for Advanced Studies in Complex Choices (IASCC) and Xavier School of Management (XLRI), witnessed a discussion on the impact of continuously evolving environment on organisational, personal and public policy choices. The event saw the participation of industry leaders, economists, academicians and technologists. Bhavesh Shah, Senior Vice President of Finance, Johnson & Johnson and IASCC Board Member, stressed on the need to bridge the digital divide by leveraging technology in education and, healthcare and thereby providing equal opportunity for rural as well as urban areas. Anil K Sood, Professor and Founder, IASCC, said "We aim to build a strong social sciences' research programme in collaboration with like-minded organizations and professionals".

आर्थिक वृद्धि तेज के बावजूद सामाजिक विकास की गति कम : ज्यां द्रेज

एक्सएलआरआइ में पांचवे डॉ. वर्गीस कुरियर व्याख्यानमाला का आयोजन

जमशेदपुर : जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट-एक्सएलआरआइ में शनिवार को पांचवे डॉ. वर्गीस कुरियर व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है.

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन अर्थशास्त्री डॉ. वर्गीस कुरियन, एक्सएलआरआइ के निदेशक फादर ई अब्राहम, डॉ. मधुकर शुक्ला व डीन एकेडमिक्स आशीष पाणि ने किया। मुख्य अतिथि का परिचय निदेशक फादर ई अब्राहम ने दिया। इसमें बतौर मुख्य वक्ता प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. ज्यां द्रेज ने कहा कि सामाजिक असमानता के कारण आर्थिक वृद्धि तेज होने के बावजूद सामाजिक विकास की गति कम है। सामाजिक विकास के लिए मुनाफाबाजी छोड़नी होगी। सामाजिक विकास के लिए गरीब, शोषित, वंचित, पीड़ित को सशक्त करना होगा। समर्थ लोग अपनी सुविधाओं को छोड़ें। उन्होंने मुनाफाबाजी शब्द को स्पष्ट करते हुए कहा कि इसे नकारात्मक रूप से नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि डॉ. वर्गीस कुरियन आम लोगों के वैज्ञानिक थे। मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने के बाद उनका रुझान डेयरी प्रोजेक्ट के प्रति नहीं बल्कि न्यूक्लियर इंजीनियरिंग की ओर ज्यादा था। भारत में आज भी इंजीनियरिंग, टेक्नोलोजी जैसे क्षेत्रों में रुझान है, डेयरी उत्पाद जैसे क्षेत्रों में नहीं। डेयरी के क्षेत्र में सहकारी आंदोलन शुरूकरने के बाद कुरियन ने भैंस के दूध का पाउडर तैयार कर दुनिया को अचंभित किया। आज सामाजिक विकास के लिए कुरियन जैसे कई सामाजिक वैज्ञानिकों की जरूरत है। जो उन्हीं की तरह मुनाफा को नहीं बल्कि किसी भी उत्पाद के मूल उत्पादकों का हित सोचें। उनके जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने की चिंता करें।

जीवन की गुणवत्ता का आधार है स्वास्थ्य

डॉ. ज्यां द्रेज ने कहा कि जीवन की गुणवत्ता का आधार स्वास्थ्य है। यदि डॉक्टर मुनाफा के लिए काम करने शेष पेज 7 पर

आर्थिक वृदिध तेज के -----

लगें तो मरीज को उनके शोषण से कैसे बचाया जा सकता है। कहा ज. 1 है- प्रीवेंशन इ- बेटर देन क्योर जबकि बाजारी चिकित्सा व्यवस्था क्योर इज बेटर देन प्रीवेंशन की सोच को लेकर चलती है। कई देशों में यूनिवर्सल हेल्थकेयर की व्यवस्था है।

इंग्लैंड व क्यूबा जैसे देशों में चिकित्सा, दवा सबकुछ मुफ्त है। कनाडा में यूनिवर्सल हेल्थ इंश्योरेंस की व्यवस्था है। थाइलैंड जैसे देश में सोशल इंश्योरेंस की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि भारत में शुरू हो रही आयुष्मान भारत योजना कोई खास उपयोगी नहीं दिख रही।

झारखंड में सामाजिक विकास की संभावनाएं अपार

पत्रकारों से बातचीत करते हुए अर्थशास्त्री ज्यां द्रेजे ने कहा कि झारखंड में सामाजिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। जरूरत है सही संभावनाओं की पहचान की सही तरीके से उनपर अमल करने की। झारखंड सहित देश में महिलाओं की पुरुषों पर आर्थिक निर्भरत कम करने के लिए उन्हें सशक्त करना होगा।

झारखंड में कृषि का विशाल क्षेत्र है लेकिन सौ-दो सौ साल पुरानी परंपरागत पद्धति से इसका अपेक्षित विकास नहीं हुआ। इस राज्य में कइ ऐसे संसाधन हैं जिन्हें बढ़ावा देकर लोगों को आर्थिक स्वावलंबी बनाया जा सकता है। इनमें कृषि, मछलीपालन, मधु, महुआ, लाह, जड़ी-बूटी सहित तमाम वनोपज व अन्य संसाधनों को बढ़ावा दे सामाजिक विकास किया जा सकता है।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar,DB Star
DATE: 23 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई में आयोजित पांचवां डॉ. वर्गीस कूरियन व्याख्यान में प्रो. ज्यां द्रेज बोले-

₹40 में टूथपेस्ट तक नहीं मिलता, इतनी राशि में बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने की बात करना सिर्फ छलावा

कृषि, मछली पालन, मधु, महुआ और जड़ी-बूटी को प्रोत्साहित करने से बदल जाएगी झारखंड की तस्वीर

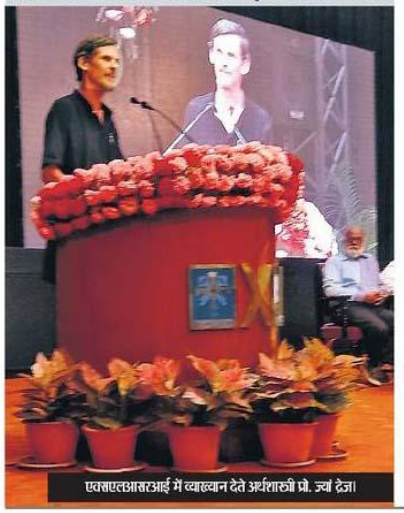

एक्सएलआरआई में व्याख्यान देते अर्थशास्त्री प्रो. ज्यां द्रेज।

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

संप्रग सरकार की मनरेगा का खाका तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले अर्थशास्त्री प्रो. ज्यां द्रेज ने कहा- एनडीए सरकार की आयुष्मान भारत योजना यूनिवर्सल हेल्थ केयर के नाम पर छलावा है। इस योजना के तहत 10 करोड़ लोगों को स्वास्थ्य सेवा का लाभ देने की बात कही गई है। सरकार की ओर से जो राशि प्रस्तावित की गई है वह प्रति व्यक्ति 40 रुपए है। अभी भारत में इतनी राशि में बड़ा टूथपेस्ट नहीं मिलता है। ऐसे में बेहतर इलाज कहां से होगा?

इंगलैंड, क्यूबा, कनाडा में यूनिवर्सल हेल्थ केयर चलता है जो दुनिया के लिए माइल स्टोन है। हेल्थ केयर में बीपीएल, एपीएल, लाल कार्ड नहीं होता है। वे शनिवार को टाटा ऑडिटोरियम में एक्सएलआरआई की ओर से आयोजित डॉ. वर्गीस कूरियन मेमोरियल ऑरिएंटेशन ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। इससे पहले डॉ. द्रेज, एक्सएलआरआइ के निदेशक फादर ई. अब्राहम, डॉ. मधुकर शुक्ला व डीन एकेडमिक आशीष पाणि ने व्याख्यानशाला का शुभारंभ किया।

वैज्ञानिकों का सामाजिक विकास की ओर रुझान नहीं होने से 40 साल पहले की साइकिल चल रही है भारत में

ज्यां ने कहा - *देश की आर्थिक वृद्धि तेज होने के बावजूद सामाजिक विकास की गति धीमी है। प्रमुख कारण सामाजिक असमानता। साथ ही देश के वैज्ञानिकों का इस ओर रुझान नहीं होना। 40 साल पहले जो भारत की जो स्थिति थी, आज भी वैसी ही है। जबकि इसमें बेहतरी की गुंजाइश है। चाइना में हुआ भी है। देश के मोची, पकौड़ा बेचने वाले, खेती करने वाले लोगों की स्थिति में सुधार नहीं हो रहा है। सामाजिक विकास के लिए मुनाफाबाजी छोड़नी होगी। मुनाफाबाजी शब्द को भी उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि इसे नकारात्मक रूप से नहीं लेना चाहिए। समर्थ लोग अपनी सुविधाओं को छोड़ें। डॉ. वर्गीस कुरियन आम लोगों के वैज्ञानिक थे। मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने के बाद उनका रुझान डेयरी प्रोजेक्ट के प्रति नहीं बल्कि न्यूक्लियर इंजीनियरिंग की ओर ज्यादा था। भारत में आज भी इंजीनियरिंग, टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में रुझान है, डेयरी उत्पाद जैसे क्षेत्रों में नहीं। डेयरी के क्षेत्र में सहकारी आंदोलन शुरू करने के बाद कुरियन ने भैंस के दूध का पाउडर तैयार कर दुनिया को अचंभित किया।*

बेल्जियम में जन्मे ज्यां द्रेज वर्ष 1979 से भारत में रह रहे हैं। 2002 में इन्हें भारत की नागरिकता मिली।

इंडियन स्टेटिस्टिकल इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया, नई दिल्ली से पीएचडी की पढ़ाई पूरी करने वाले ज्यां अभी दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, रांची यूनिवर्सिटी सहित दुनिया के कई विख्यात यूनिवर्सिटी में वे विजिटिंग लेक्चरर के तौर पर काम कर रहे हैं। झारखंड के सामाजिक उत्थान के संदर्भ में उन्होंने कहा- यहां कृषि का विशाल क्षेत्र है लेकिन सौ-दो सौ साल पुरानी परंपरागत पद्धति से इसका अपेक्षित विकास नहीं हुआ। इस राज्य में कइर ऐसे संसाधन हैं जिन्हें बढ़ावा देकर लोगों को आर्थिक स्वावलंबी बनाया जा सकता है।

PUBLICATION:Dainik Bhaskar,DB Star
DATE: 29 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई ने मात्र दो दिन में पूरा किया समर इंटर्नशिप प्लेसमेंट प्रोसेस

एक्सएलआरआई का एसआईपी पूरा, 362 को जॉब ऑफर, अधिकतम ₹19.80 लाख का पैकेज मिला

सिटी रिपोर्टर • जमशेदपुर

एक्सएलआरआई ने सत्र 2018-20 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित समर इंटर्नशिप प्लेसमेंट प्रोसेस (एसआईपी) दो दिनों में ही पूरा कर लिया है। 362 विद्यार्थियों वाले बैच ने शत-प्रतिशत प्लेसमेंट पाया है।

इसमें अधिकतम प्लेसमेंट स्टाइपेंड 1.65 लाख रुपए प्रतिमाह मिली है। अधिकतम 19 लाख 80 हजार रुपए का सालाना पैकेज है। इसमें कंसल्टिंग, फायनेंस, सेल्स और मार्केटिंग, संचालन, बिजनेस डेवलेपमेंट, मानव संसाधन और औद्योगिक संबंध (आईआर) सहित 95 से अधिक कंपनियों की भागीदारी की। इस वर्ष बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, एटी कीर्नी, एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, ईवाई, डेलॉइट, केपीएमजी और पीडब्ल्यूसी ने कंसल्टिंग डोमेन से भर्ती की। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप ने 13 उम्मीदवारों को जॉब ऑफर किया। छात्रों ने पी एंड जी, आरबी और जॉनसन एंड जॉनसन में प्रतिष्ठित संचालन भूमिकाओं में प्लेसमेंट सुरक्षित किए।

साथ ही, पी एंड जी, कोलगेट पामोलिव, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, नेस्ले, आरबी जॉनसन एंड जॉनसन, मॉंडेलेज, कोका कोला, पेप्सी, आईटीसी इंडिया और एबी इनवेब एफएमसीजी सेक्टर के नियमित गोल्डमैन सैक्स, एचएसबीसी, एवेंडस कैपिटल, जेपी मॉर्गन चेस, सिटी बैंक, कोटक वेल्थ, मैत्रेई कैपिटल एडवाइजर्स, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और एडलवाइस ने वित्तीय सेवा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। टाटा प्रशासनिक सेवाएं, आदित्य बिड़ला समूह, आरपी गोयनका, महिंद्रा और भारती एयरटेल समूह ने सामान्य प्रबंधन भूमिका की पेशकश की। जनरल इलेक्ट्रिक, शैल, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल और स्टार ने भी उम्मीदवारों को ऑफर बढ़ाया।

> समर इंटर्नशिप के लिए इस वर्ष छात्रों को बेहतर अवसर मिले हैं। एक बार फिर से बड़ी कंपनियों ने एक्सएलआरआई ब्रांड और उसके छात्रों पर भरोसा जताया है। समर इंटर्नशिप से विद्यार्थियों के साथ ही कंपनियों को भी लाभ मिलेगा।
>
> - उदय दमोदरन, प्रोफेसर, एक्सएलआरआई।

PUBLICATION:Dainik Jagran
DATE: 17 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआइ में जॉय ऑफ गिविंग दो अक्टूबर से

जासं, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट जमशेदपुर के तत्वावधान में दो से आठ अक्टूबर तक जॉयफेस्ट 'दान उत्सव' का आयोजन किया गया है। आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को दान के महत्व को बताना है। दानोत्सव का थीम' गरिमा के लिए दान करें" रखा गया है। इसके तहत दान को इकट्ठा कर जरूरतमंदों में बांटना है। इसके तहत आप कुछ भी दान कर सकते हैं, जैसे - कप, कंबल और शाल का दान अन्न-दान, दवा आदि शामिल है।

PUBLICATION: Dainik Jagran,City
DATE: 23 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

विकास मुनाफाबाजी से नहीं

ज्यां द्रेज बोले-सामाजिक विकास को चाहिए डॉ. कुरियन जैसे कई वैज्ञानिक

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : यह सोचने की बात है कि देश की आर्थिक वृद्धि तेज होने के बावजूद सामाजिक विकास की गति कम क्यों है? इसका प्रमुख कारण है सामाजिक असमानता। सामाजिक विकास के लिए मुनाफाबाजी छोड़नी होगी। विकास के लिए गरीब, शोषित, वंचित, पीड़ित को सशक्त करना होगा। यह कहना था प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. ज्यां द्रेज का।

जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट-एक्सएलआरआइ में शनिवार को पांचवे डॉ. वर्गीस कुरियन व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता उन्होंने मुनाफाबाजी शब्द को स्पष्ट करते हुए कहा कि इसे नकारात्मक रूप से नहीं लेना चाहिए। समर्थ लोग अपनी सुविधाओं को छोड़ें। कहा कि डॉ. वर्गीस कुरियन आम लोगों के वैज्ञानिक थे। मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने के बाद उनका रुझान डेयरी प्रोजेक्ट के प्रति नहीं बल्कि न्यूक्लियर इंजीनियरिंग की ओर ज्यादा था। भारत में आज भी इंजीनियरिंग, टेक्नोलोजी जैसे क्षेत्रों में रुझान है, डेयरी उत्पाद जैसे क्षेत्रों में नहीं। डेयरी के क्षेत्र में सहकारी आंदोलन शुरू करने के बाद कुरियन ने भैंस के दूध का पाउडर तैयार कर दुनिया को अचंभित किया। सामाजिक विकास के लिए कुरियन जैसे कई सामाजिक वैज्ञानिकों की जरूरत है। जो उन्हीं की तरह मुनाफा को नहीं बल्कि किसी भी उत्पाद के मूल उत्पादकों का हित सोचें। बेल्जियम में जन्में प्रसिद्ध सामाजिक अर्थशास्त्री डॉ. ज्यां द्रेज ने हिंदी में अपना संबोधन देकर सभी को चकित कर दिया। उन्होंने अपना संबोधन शुरू करते ही कहा कि वे हिंदी में बोलना चाहते हैं।

इसके पूर्व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन अर्थशास्त्री डॉ. वर्गीस कुरियन, एक्सएलआरआइ के निदेशक फादर ई अब्राहम, डॉ. मधुकर शुक्ला व डीन एकेडमिक्स आशीष पाणि ने किया। मुख्य अतिथि का परिचय निदेशक फादर ई अब्राहम ने दिया।

अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज ने कहा कि झारखंड में सामाजिक विकास की अपार संभावनाएं हैं। जरूरत है सही संभावनाओं की पहचान की, सही तरीके से उनपर अमल करने की।

शनिवार को एक्सएलआरआई में व्याख्यान के दौरान अर्थशास्त्री डॉ. ज्यां द्रेज ● जागरण

स्वास्थ्य जीवन की गुणवत्ता का आधार

डॉ. ज्यां द्रेज ने कहा कि जीवन की गुणवत्ता का आधार स्वास्थ्य है। वर्तमान बाजार प्रणाली में इस क्षेत्र में बेहतरी की उम्मीद कम है। यदि डॉक्टर मुनाफा के लिए काम करने लगें तो मरीजों को उनके शोषण से कैसे बचाया जा सकता है। कहा जाता है- प्रीवेंशन इज बेटर देन क्योर जबकि बाजारी चिकित्सा व्यवस्था क्योर इज बेटर देन प्रीवेंशन की सोच को लेकर चलती है। कई देशों में यूनिवर्सल हेल्थकेयर की व्यवस्था है। इंग्लैंड व यूरोप जैसे देशों में चिकित्सा, दवा सबकुछ मुफ्त है। कनाडा में यूनिवर्सल हेल्थ इंश्योरेंस की व्यवस्था है। थाइलैंड जैसे देश में सोशल इंश्योरेंस की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि भारत में शुरू हो रही आयुष्मान भारत योजना कोई खास उपयोगी नहीं दिख रही।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 20 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

व्याख्यान में शामिल हुए एक्सएलआरआइ के छात्र

कोलकाता में नेशलन लेक्चर में शामिल होनेवाले एक्सएलआरआइ के छात्र ● जागरण

जासं, जमशेदपुर : कोलकाता में छठे अवनीश देव मेमोरियल लेक्चर का आयोजन किया गया। इसमें सफायर-एक्सएलआरआइ के छात्रों ने भी प्रमुखता से हिस्सा लिया। रीडिफाइनिंग इम्प्लाइ रिलेशन इन डिजिटल ऐज विषय पर हुए पैनल डिस्कशन में देशभर के विभिन्न बिजनेस स्कूलों के छात्र शामिल हुए। इसके पैनल में एक्सएलआरआइ के छात्र भी थी। दर्शकों की ओर से इम्प्लाइ रिलेशन से जुड़े कई सवाल पूछे गए जिनका इन छात्रों ने काफी समझदारी से जवाब दिया। लेक्चर सत्र का आयोजन मारूति सुजुकी व एक्सआइएसएस रांची की ओर से संयुक्त रूप से 2012 में मारूति के मानेसर प्लांट में हुई घटना की स्मृति में किया गया। इसमें विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों के अलावा बिजनेस स्कूल के छात्रों ने भाग लिया।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 21 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 17

सोशल स्टार्टअप प्लान के तहत मिले आइडिया में 18 का हुआ चयन, प्रेजेंशन शुक्रवार को

जनहित जागरण सिटी पिच आज एक्सएलआरआइ में

XLRI Xavier School of Management
For the greater good

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : दैनिक जागरण जनहित जागरण के सात सरोकारों पर सामाजिक उद्यमशीलता के जरिये राष्ट्र निर्माण की कोशिश में जुटा है। सोशल स्टार्टअप प्लान के तहत कई प्रतिभागियों ने अपने आइडिया और स्टार्ट-अप प्लान को भेजा है।

जमशेदपुर सिटी पिच में शामिल करने के लिए चयनित प्रविष्टियों को 21 सितंबर को ज्यूरी के सामने अपने स्टार्ट-अप और आइडिया प्रस्तुत करने का मौका दिया जाएगा। इसके बाद सफल प्रतिविष्ट्रियों को जनहित जागरण की तरफ से वित्तीय सहयोग मिलेगा। जनहित जागरण के सिटी पिच का आयोजन 21 सितंबर को एक्सएलआरआइ में एलसी-1, लेक्चर हॉल 6 में शाम तीन बजे से किया जाएगा। इसमें शामिल होनेवाले प्रतिभागियों को ढाई बजे तक आयोजन स्थल पर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। शॉर्टलिस्टेड प्रतिभागियों को इसमें अपने प्रोजेक्ट का प्रेजेंटेशन देना होगा। सोशल स्टार्टअप प्लान के तहत सैकड़ों प्रविष्टियां आइडिया के रूप में प्राप्त हुई थी। इनमें 18 का चयन किया गया है जिनका प्रेजेंशन शुक्रवार को होना है। इसमें जहां व्यक्तिगत रूप से प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा वहीं सफल प्रविष्टियों को वित्तीय सहयोग भी दिया जाएगा।

शुभम गौतम व अमित शेखर होंगे ज्यूरी

शॉर्टलिस्टेड संस्थाओं व प्रतिभागियों के प्रेजेंटेशन के दौरान ज्यूरी की भूमिका में शुभम गौतम व अमित शेखर होंगे। शुभम गौतम टफ होप कंसल्टेंसी में बतौर प्रोग्राम एक्जीक्यूटिव कार्यरत हैं। वहीं बीएचयू के आइआइटीयन रहे अमित शेखर माइंडरॉक्स के सह संस्थापक हैं।

तैयारी पूरी

- दोपहर 3 बजे से एक्सएलआरआइ के एलसी-1, लेक्चर हॉल 6 में कार्यक्रम
- व्यक्तिगत रूप से सभी को प्रतिभा दिखाने का मिलेगा मौका
- सफल प्रविष्टियों को मिलेगा वितीय सहयोग, आयोजन की तैयारी पूरी

शॉर्टलिस्टेड संस्थाओं के संचालकों की सूची

प्रहलाद ठाकुर, पार्वती ठाकुर, अमिताभ शर्मा, रुपेश कुमार, संतोष शर्मा, उदित विशाल, प्रमोद कुमार सिंह।

व्यक्तिगत प्रतिभागियों की सूची

अमृत अंशुमान, सागर भट्ट, श्रीरंग देशपांडे, पी आनंद, बिश्वजीत प्रसाद, सौरव माझी, सुदीप्ता घोषदास, डॉ. स्वप्नेश्वर साहू, अभिषेक जेना।

स्टार्टअप के प्रतिभागी

अजीत कुमार।

फोटो खिंचाने की होड़ : स्वच्छता ही सेवा के तहत गुरुवार को उपायुक्त अमित कुमार मानगो में सफाई करने पहुंचे। उनके साथ फोटो खिंचाने की होड़ मच गई। एक ही साफ-सुथरी जगह पर चार-पांच लोगों ने झाड़ू अड़ा कर फोटो खिंचा ली • युगल किशोर

रिफ्लेक्शंस में पढ़ाई को लेकर तनाव पर हुई चर्चा

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : यह एक गंभीर विषय था, जिसपर शहर के स्कूलों के बच्चों के साथ शिक्षकों और उनके अभिभावकों ने मिलकर चर्चा की। जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट-एक्सएलआरआइ के टीम सामर्थ्य की मेजबानी में गुरुवार को सालाना कार्यक्रम रिफ्लेक्शंस का इस बार का थीम ही पढ़ाई में तनाव था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का जोड़ीदार उन अभिभावकों को बनाया गया जो आपस में परिचित नहीं थे। बच्चों को यह खुलकर बताना था कि वे पढ़ाई के संबंध में क्या तनाव महसूस करते हैं। कार्यक्रम में 53 प्रतिभागी शामिल हुए। इनमें 8 शिक्षक व 18 अभिभावक थे। शिक्षक व अभिभावकों ने अपने पढ़ाई के दिनों को याद करते हुए बताया कि वे किस तरह के तनाव का सामना करते थे। उससे किस तरह निबटते थे। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे भी अपनी भावना को साझा करें। इसके बाद अपनी-अपनी सक्सेस स्टोरी के जरिए छात्रों को उत्साहित करने का प्रयास किया गया। सामर्थ्य की सचिव प्रज्ञा पारामिता साहू ने कहा कि रिफ्लेक्शंस एक ऐसा आयोजन है जो बच्चों, अभिभावकों व शिक्षकों के बीच संवादहीनता को दूर करने का काम करता है। तीनों के बीच खाई को पाटने के लिए सामर्थ्य की ओर से एक अलग तरह का एप्रिशिएटिव इंक्वायरी फारमेट तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता इंग्लिश लैंग्वेज टीचर्स एसोसिएशन की संस्थापक अध्यक्ष जयंती शेषाद्री ने की। उन्होंने भी अपने स्कूली दिनों के बारे मे बताया कि किस तरह असफलता के बाद मेहनत से आगे बढ़ीं।

PUBLICATION: Dainik Jagran
DATE: 29 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

समर इंटर्नशिप, अधिकतम 1.65 लाख स्टाइपेंड

एक्सएलआरआइ में दो दिनों में पूरी कर ली गई प्लेसमेंट प्रक्रिया

जागरण संवाददाता, जमशेदपुर : एक्सएलआरआइ - जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में सत्र 2018-20 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित समर इंटर्नशिप प्लेसमेंट प्रोसेस (एसआइपी) की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस बार एसआइपी महज दो दिनों में ही पूरी कर ली गई। इसमें 362 छात्रों वाले बैच ने शत-प्रतिशत प्लेसमेंट पाया है। इसमे अधिकतम प्लेसमेंट स्टाइपेंड 1.65 लाख रुपये प्रतिमाह का प्रस्ताव किया गया है।

95 कंपनियों ने लिया भाग : इस बार एसआइपी प्रक्रिया में कंसल्टिंग, फाइनेंस, सेल्स और मार्किटिंग, संचालन, बिजनेस डेवलेपमेंट, मानव संसाधन और औद्योगिक संबंध (आइआर) सहित 95 से अधिक कंपनियों की भागीदारी की। इस वर्ष बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, एटी कीर्नी, एक्सेंचर स्ट्रेटजी, ईवाई, डेलोइट, केपीएमजी और पीडब्ल्यूसी ने कंसल्टिंग डोमेन से भर्ती की। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप ने 13 उम्मीदवारों को नियुक्त किया। छात्रों ने पी एंड जी, आरबी और जॉनसन एंड जॉनसन में प्रतिष्ठित संचालन भूमिकाओं में प्लेसमेंट के लिए अपने स्थान सुरक्षित किए।

प्लेसमेंट

- 362 छात्रों वाले बैच का शत फीसद हुआ प्लेसमेंट, प्रबंधन उत्साहित
- बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप ने 13 उम्मीदवारों को नियुक्त किया

इसके साथ ही पी एंड जी, कोलगेट पामोलिव, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, नेस्ले, आरबी जॉनसन एंड जॉन्सन, मोंडेलेज, कोका कोला, पेप्सी, आइटीसी इंडिया और एबी इनबेव एफएमसीजी सेक्टर के नियमित गोल्डमैन सैक्स, एचएसबीसी, एवेंडस कैपिटल, जेपी मॉर्गन चेस, सिटीबैंक, कोटक वेल्थ, मैत्रेई कैपिटल एडवाइजर्स, आइसीआइसीआई बैंक, वस बैंक और एडलवाइस ने वित्तीय सेवा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

टाटा प्रशासनिक सेवाएं, आदित्य बिड़ला समूह, आरपी गोयनका, महिंद्रा और भारती एयरटेल समूह ने सामान्य प्रबंधन भूमिका के लिए छात्रों के सामने पेशकश की। जनरल इलेक्ट्रिक, शैल, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स, भारती एयरटेल और स्टार ने भी उम्मीदवारों को ऑफर बढ़ावा।

> समर इंटर्नशिप के लिए इस वर्ष बेहतर अवसर मिले हैं। एक्सएलआरआइ ब्रांड और हमारे छात्र समुदाय में अपने विश्वास के कारण कंपनियों ने भरोसा जताया है। समर इंटर्नशिप से कंपनियों और विद्यार्थियों को साझा लाभ मिलेगा।
>
> **उदय दमोदरन,** प्रोफेसर एक्सएलआरआइ।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 17 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

दान उत्सव आयोजित करेगा एक्सएलआरआई

जमशेदपुर (वसं.)। एक्सएलआरआई मैनेजमेंट कॉलेज की सिग्मा इकाई की ओर से दो से आठ अक्तूबर को दान उत्सव आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी एक्सएलआरआई की ओर से एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया गया कि इस दान उत्सव के माध्यम से शहरवासियों को गरीब व जरूरतमंदों के लिए दान करने के प्रति जागरूक किया जाएगा। इस दान उत्सव से शहर के स्कूलों, कॉरपोरेट घरानों, एनजीओ, विभिन्न समुदायों, आम लोगों आदि को भी जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

PUBLICATION: Hindustan
DATE: 21 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

खेल-खेल में जाना तनाव की वजह

जमशेदपुर | **संवाददाता**

एक्सएलआरआई की सामर्थ्य टीम की ओर से सालना कार्यक्रम रिफ्लेक्शन गुरुवार को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में अलग-अलग स्कूलों के विद्यार्थी अपने शिक्षकों और अभिभावकों के साथ शामिल हुए। इस कार्यक्रम का विषय 'शिक्षा क्षेत्र में तनाव' था।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों, शिक्षकों व अभिभावकों की टीम बनाई गई। टीम के सदस्य एक दूसरे को नहीं जानते थे। इस दौरान अभिभावकों और शिक्षकों से उनके विद्यार्थी जीवन के अनुभवों को साझा करने को कहा गया और इस दौरान उपजे समस्या व समाधान पर चर्चा हुई। सामने आए सफलता की कहानियों का मूल्यांकन करने के लिए कहा गया। छात्रों को उनके जीवन में इन सफल कहानियों के पाठों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस दौरान सामर्थ्य टीम की सचिव प्रज्ञा परमिता साहू ने कहा रिफलेक्शन का मकसद छात्रों, माता-पिता व शिक्षकों के बीच संवादहीनता को दूर करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जमशेदपुर के अंग्रेजी भाषा शिक्षक संघ के संस्थापक सचिव जयंती शेषाद्री ने की। इस दौरान जयंती ने अपने स्कूल के दिनों के बारे में बात की। उन्होंने छात्रों को एक पेशे के रूप में शिक्षण का महत्व बताया।

एक्सएलआरआई की सामर्थ्य टीम की ओर से आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

PUBLICATION:Hindustan
DATE: 23 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

एक्सएलआरआई में अर्थशास्त्री डॉ. ज्यां द्रेज बोले - असमानता से हमें हर हाल में मुक्त होना होगा

सामाजिक विकास में मुनाफाबाजी बड़ी बाधा

जमशेदपुर | संवाददाता

सामाजिक विकास के लिए मुनाफाबाजी बड़ी बाधा है। सरकार, कंपनियों और संस्थाओं को अत्यधिक मुनाफाबाजी से बाहर निकलना होगा। भूख, असमानता, हिंसा, असुरक्षा, बीमारी से मुक्ति के लिए यह बेहद जरूरी है, यह कहना था प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. ज्या द्रेज का।

एक्सएलआरआई में शनिवार को आयोजित पांचवां डॉ. वर्गीस कूरियन मेमोरियल ऑरिएंटेशन ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. ज्यां द्रेज ने कहा कि देश के इंजीनियर साफ्टवेयर, मोबाइल बनाने में जुटे है, वहीं इनके स्थान पर कृषि, पशुपालन, वन और स्थानीय संपदा को विकसित करने में समय लगाते तो देश का विकास और तेज गति से होगा। देश को स्वर्गीय डॉ. वर्गीस कूरियन जैसे इंजीनियरों की जरूरत है, जिन्होंने लाभ-हानि के सौदे को छोड़कर सामाजिक विकास की सोच रखी। कार्यक्रम के दौरान एक्सएलआरआई के निदेशक फादर ई अब्राहम, डीएन एकेडमिक्स डॉ. एके पाणि और प्रोफेसर मधुकर शुक्ला भी अपने विचार रखा।

एक्सएलआरआई में शनिवार को डॉ. वर्गीस कूरियन मेमोरियल ऑरिएंटेशन ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट कार्यक्रम को संबोधित करते प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. ज्यां द्रेज।

परंपरागत पेशा व जरूरत में तकनीकी विकास नहीं : भारत में आज भी परंपरागत पेशा वैसा ही है, जैसा कि 40 साल पहले। लोहार, मोची और साइकिल पंचर बनाने वाले आज भी पुराने तकनीक से ही काम कर रहे है। आज भी भारत में साइकिल तक में तकनीकी विकास नहीं हुआ, जबकि चीन में दस करोड़ से ज्यादा इलेक्ट्रिक साइकिल चलती है। इस दिशा में सोचने की जरूरत है।

व्याख्यान की मुख्य बातें

- हिन्दी में दिया भाषण, कहा अंग्रेजी बोलने वाले हिन्दी को दे जगह
- गरीब दलित और वंचित के लिए विशेषाधिकार का त्याग करें उच्च वर्ग
- आर्थिक स्वालंबी होने पर ही महिलाओं को मिलेगी समानता
- आमलोगों का वैज्ञानिक होना मुनाफाबाजी छोड़ना, सहकारिता से होगा सामाजिक विकास
- जीडीपी के एक दो अंक से घटाव - बढ़ाव से आर्थिक विकास आंकना बेमानी
- स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा सरकार का दायित्व है
- पीडीसी व्यवस्था से निजी डीलरों को अलग करना जरूरी

आयुष्मान भारत के लिए चाहिए ज्यादा बजट

अर्थशास्त्री द्रेज ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना में दो हजार करोड़ रुपये का बजट प्रावधान काफी कम है। 10 करोड़ परिवार के 50 करोड़ लोगों को सही तरीके से योजना का लाभ देने के लिए प्रति वर्ष 50 हजार करोड रुपये की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 40 रुपये में टूथपेस्ट नहीं मिल पा रहा है, वहीं सरकार 50 करोड़ लोगों के हिस्से में प्रति व्यक्ति 40 रुपये ही आ रहे है।

संसाधनों का इस्तेमाल नहीं

झारखंड में खेती पुराने विधि से हो रही है। पशु, बांस, तेंदु पत्ता, मधु जैसे संपदाओं के विकास और इन्हे उद्योग के रूप में विकसित नहीं किया जा रहा है। सहकारी संस्थाएं बेहतर कर सकती है। कृषि में सहकारी संस्थाओं की जरूरत है सुविधाओं की नहीं।

PUBLICATION:Hindustan
DATE: 29 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

एक्सलर्स का शत- प्रतिशत हुआ समर प्लेसमेंट

जमशेदपुर | संवाददाता

देश के प्रसिद्ध प्रबंध संस्थान एक्सएलआरआई ने सत्र 2018-20 के विद्यार्थियों के लिए आयोजित समर इंटर्नशिप प्लेसमेंट प्रोसेस (एसआईपी) महज दो दिनों में ही पूरी कर ली। 362 छात्रों वाले बैच ने शत प्रतिशत प्लेसमेंट पाया है। इसमे अधिकतम प्लेसमेंट स्टाइपेंड 1.65 लाख रुपये प्रतिमाह मिली है।

इस बार एसआईपी प्रक्रिया में कंसल्टिंग, फायनेंस, सेल्स और मार्किटंग, संचालन, बिजनेस डेवलेपमेंट, मानव संसाधन और औद्योगिक संबंध (आईआर) सहित 95 से अधिक कंपनियों की भागीदारी की। इस वर्ष बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, एटी कीर्नी, एक्सेंचर स्ट्रैटेजी, ईवाई, डेलोइट, केपीएमजी और पीडब्ल्यूसी ने कंसल्टिंग डोमेन से भर्ती की। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप ने 13 उम्मीदवारों को नियुक्त किया। छात्रों ने पी एंड जी, आरबी और जॉनसन एंड जॉनसन में प्रतिष्ठित संचालन भूमिकाओं में प्लेसमेंट सुरक्षित किए।

इसके साथ ही पी एंड जी, कोलगेट पामोलिव, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड, नेस्ले, आरबी जॉनसन एंड जॉन्सन, मोंडेलेज़, कोका कोला, पेप्सी, आईटीसी इंडिया और एबी इनबेव एफएमसीजी सेक्टर के नियमित गोल्डमैन सैक्स, एचएसबीसी, एवेंडस कैपिटल, जेपी मॉर्गन चेस, सिटीबैंक, कोटक वेल्थ, मैत्रेई कैपिटल एडवाइजर्स, आईसीआईसीआई बैंक, यस बैंक और एडलवाइस ने वित्तीय सेवा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया।

टाटा प्रशासनिक सेवाएं, आदित्य बिड़ला समूह, आरपी गोयनका, महिंद्रा और भारती एयरटेल समूह ने सामान्य प्रबंधन भूमिका की पेशकश की।

PUBLICATION: Khabar Mantra
DATE: 23 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

देश में मिल्कमैन के नाम से जाने जाते हैं डॉ बर्गीस : फादर अब्राहम

■ एक्सएलआरआइ में सतत् विकास पर पांचवां डॉ बर्गीस कुरियन स्मृति व्याख्यानमाला

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। एक्सएलआरआइ के टाटा सभागार में सतत विकास पर पांचवां डॉ बर्गीस कुरियन व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता प्रतिष्ठित विकास कार्यकर्ता और अर्थशास्त्री डा जीन ड्रेज, ने 'आर्थिक विकास और सामाजिक विकास' विषय पर व्याख्यान दिया।

एक्सएलआरआइ के निदेशक फादर ई अब्राहम, एस जे और डीन डा आशीष के पानी और डा मधुकर शुक्ला, अध्यक्ष, फ ादर आर्किओ सेंटर फॉर इकोलोजी एंड सस्टेनेबिलिटी, एक्सएलआरआई मंच पर उपस्थित थे।

व्याख्यानमाला में एक्सएलआरआइ के निदेशक फादर ई अब्राहम, एस जे ने कहा, ''देश में लाखों लोगों के जीवन में लाए गए बदलाव के लिए डा कुरियन को हमेशा कृतज्ञता के साथ याद किया जाएगा। हमें डा वर्गीस कुरियन के अत्यधिक योगदान के लिए एक सहकारी दूध आंदोलन शुरू करने में मदद करने के लिए अत्यधिक दूरदर्शी दृष्टि को स्वीकार करना चाहिए जिसने भारत को पूरी दुनिया में सबसे बड़े दूध उत्पादक देश में बदल दिया और मदद करके आगे एकीकरण व्यवसाय मॉडल को आकार दिया देश के सबसे बड़े एकल खाद्य ब्रांड के रूप में । इस प्रक्रिया में, हमने डेयरी सेक्टर में भारत के लिए आत्मनिर्भरता हासिल की है जो हमारे देश को वैश्विक डेयरी मानचित्र पर प्रतिष्ठा की स्थिति की ओर अग्रसर करता है। डा कुरियन के समुदाय के स्वामित्व वाले सहकारी समितियों के निर्माण ने लाखों ग्रामीण परिवारों को सशक्त बनाया, जिनमें से अधिकतर भारत में भूमिहीन और छोटे किसान थे। ''

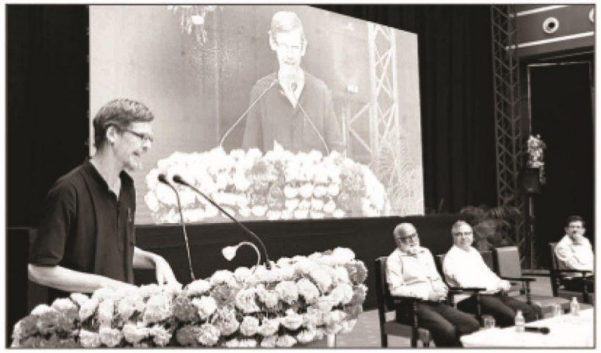

कार्यक्रम को संबोधित करते डॉ जीन ड्रेज।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते फादर अब्राहम। साथ में खड़े हैं-मधुकर शुक्ला, डॉ जीन ड्रेज और डॉ आशीष कुमार पानी।

फादर अब्राहम ने आगे कहा कि ''हमने ड कुरियन की विरासत को मनाने के लिए इस वार्षिक अरेशन को स्थापित करने का निर्णय लिया - क्योंकि उसका जीवन और कार्य एक जिम्मेदार प्रबंधन नेता के लिए मडल का उदाहरण है, जो समाज के बड़े अच्छे और राष्ट्र निर्माण के साथ व्यावसायिक कौशल को जोड़ता है।

अब्राहम ने आगे कहा, ''डॉ कुरियन के साथ एक्सएलआरआई का रिश्ता 24 साल से अधिक हो गया है। मैं व्यक्तिगत रूप से डा कुरियन के साथ एक समृद्ध सहयोग था और डेयरी सेक्टर के लिए अपनी दृष्टि को निष्पादित करने में उनके दूरदर्शी दूरदर्शिता और एकल दिमागी दृढ़ संकल्प से काफी प्रभावित था और अधिक महत्वपूर्ण रूप से हजारों गांवों में लाखों ग्रामीण दूध उत्पादकों के जीवन स्तर को बढ़ाने में मदद करने में मदद करता था।

राज्य को कई डॉ कूरियन की जरूरत : डॉ जीन ड्रेज

अपने भाषण में डॉ जीन ड्रेज ने कहा, ''चार दशकों से मैंने देखा है कि भारत को कई लोगों के वैज्ञानिकों और डा कुरियन जैसे लोगों के तकनीशियनों की जरूरत है जो रोजमर्रा की तकनीक और लोगों की बुनियादी जरूरतों में रुचि लेते हैं और न केवल परिष्कृत तकनीक जैसे बयोमीट्रिक्स और त्रिम बुद्धि। रोजमर्रा की तकनीक में इस असंतोष का नतीजा रोजमर्रा की प्रौद्योगिकियों के उल्लेखनीय ठहराव और संगत व्यवसायों की पूरी श्रृंखला का अस्तित्व है जो स्थिर व्यवसायों के रूप में वर्णित किया जा सकता है क्योंकि वे कई दशकों तक समान या कम होते हैं। उदाहरण के लिए झारखंड में पूरे ग्रामीण क्षेत्र, इतने सारे स्थानीय संसाधनों के बावजूद इस तरह के स्थिर व्यवसाय में खो गए हैं उदाहरण के लिए मशरूम, शहद, तेंदु, महुआ इत्यादि। लोगों की आजीविका और कल्याण में सुधार करने के लिए, पर्यावरण के प्रकार के बिना विनाश जिसे हम आज देख रहे हैं हमें कई और डा कुरियंस की जरूरत है।

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 17 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

CII-Young Indians to organise Innovation Conclave

PNS ■ JAMSHEDPUR

CII-Young Indians (YI) is gearing up to organise a mega event Innovation Conclave on September 29 at Adityapur Auto Cluster. About 18 innovators will get an opportunity to showcase their ideas and products (prototype) in this conclave and attract investors. Dibyanshu Sinha, chair of YI Jharkhand chapter said that XLRI, JUSCO and Tata Steel is also collaborating the event.

The objective is to help innovators to turn their ideas into successful business ideas. Sinha informed that experts from various areas are being invited the event.

He highlighted the significance of innovation in the current economic ecosystem. He further mentioned that working ideas have had exemplary support from the government, which has made India an innovation hub.

He added that backed by an overall national consensus in favor of adopting a growth oriented model around innovation and entrepreneurship, the time is ripe to implement right policies and initiatives. He also added that innovation driven start-ups need recognition and promotion so that not only they prosper, but their peers and competitors are also motivated to adopt innovation as the key driver for their business growth.

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 17 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

XLRI to organise 'Daan Utsav' under 'Joy of Giving'

Prof Madhukar Shukla addresses a meeting at XLRI PNS

PARVINDER BHATIA ■
JAMSHEDPUR

XLRI- Xavier School of Management is organising the Jamshedpur Joy Fest- 'Daan Utsav' from October 2 to 8 in association with SIGMA (Social Initiative Group for Managerial Assistance).

Prof Madhukar Shukla, the brain behind the initiative, said that this festival aims at engaging the entire city of Jamshedpur for the noble cause of donating (Daan) by working with schools, NGOs, industrial houses, various communities and the general public as well.

The underlying theme is 'Donate for dignity' which encompasses city-wide initiatives inviting donations for material resources and redistributing them to the underserved segments of the society through NGOs and other civil service organisations.

The donation of materials can be anything from Vastra-Samman - the donation of clothes, blankets, and shawls to Ann-Daan – the donation and distribution of dry ration including rice, wheat, etc. The initiative also invites donation of unused medicines which can be contributed to the NGOs around the city.

The event was kick-started with the active participation of many dignitaries from around the city which included principals from reputed schools, leaders of the CSR wings of industrial houses and NGO administrators were briefed everyone about the plans for the initiatives.

It is urged that more donors come forward and bring joy to the lives of the under-served by truly living up to the spirit of 'Daan Utsav'. Social Initiative Group for Managerial Assistance, popularly known as SIGMA, was founded in year 2002 to work towards the social causes in and around Jamshedpur. The committee has taken up various social causes over the time, resulting in the reputation that is now associated with it. The SIGMA team also works in coherence and collaboration with the NGOs, and all the other concerned parties to make a better living for those around us. From the smallest acts of helping to the larger efforts in conducting city-level donation drives, the team works towards the social causes covering varying segments of the society.

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 23 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

Jean Dreze delivers Verghese Kurien Memorial Oration

PNS ■ JAMSHEDPUR

XLRI- Xavier School of Management on Saturday organised the 5th Dr Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development. Organised under the aegis of Fr Arrupe Center for Ecology and Sustainability (FACES), XLRI, in memory of the Founder of AMUL Dr. Verghese Kurien, otherwise known as "the Milkman of India", the oration aims to provide a platform to listen to and learn from thought leaders, social entrepreneurs, development sector professionals and policy makers who have made a significant contribution to the idea of an empowered, prosperous and sustainable society.

This year, Dr Jean Dreze, eminent development activist & economist delivered the oration on the topic "Economic Growth and Social Development".

The event was also graced by Fr E Abraham, SJ Director of XLRI and Dr Ashis K. Pani, Dean (Academics), XLRI and Dr Madhukar Shukla, Chairperson, Fr Arrupe Center for Ecology & Sustainability, XLRI.

In his speech, Dr. Jean Dreze spoke about various aspects of sustainable development and how society can play role in it.

In his address, Fr E Abraham, SJ Director of XLRI said, "The sunshine that Dr. Kurien brought in the lives of millions in the country will always be remembered with gratitude. We must acknowledge the immense contribution of Dr Verghese Kurien for his far-sighted vision in helping kick-start a co-operative milk movement that transformed India into the largest milk producing country in the entire world and also shaping a forward integration business model by helping create AMUL as the country's largest single food brand. In the process, we have secured self-sufficiency for India in the dairy sector propelling our nation towards a position of eminence on the global dairy map. Dr. Kurien's creation of community-owned co-operatives empowered millions of rural families, most of whom were landless and small farmers, in India."

"We decided to institute this Annual Oration to commemorate Dr Kurien's legacy - because his life and work exemplifies the model for a responsible management leader, combining business skills with the larger good of the society and nation-building," Fr Abraham added.

Remembering Dr. Kurien, Fr. Abraham further said, "XLRI's relationship with Dr. Kurien goes back to over 24 years. I personally had an enriching association with Dr Kurien and was greatly inspired with his visionary foresight and single-minded determination in executing his vision for the dairy sector and more importantly in helping raise the living standards of millions of rural milk producers across thousands of villages in India.

Economists Jean Dreze being felicitated by Tata Steel CEO and MD TV Narendran during the 5th Dr Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development at XLRI in Jamshedpur on Saturday Pioneer photo

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE: 11 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 17

22 को एक्सएलआरआइ में याद किये जायेंगे डॉ कुरियन

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ में 22 सितंबर को डॉ वर्गिस कुरियन मेमोरियल ऑरेशन का आयोजन किया जायेगा. जिसमें देश के आर्थिक व सामाजिक विकास पर व्याख्यान होगा. जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज शामिल होंगे. एक्सएलआरआइ में पांचवीं बार आयोजित उक्त ऑरेशन में इस बात पर चर्चा होगी कि किस प्रकार सामाजिक भागीदारी से देश के आर्थिक विकास को गति प्रदान की जा सकती है. एक्सएलआरआइ प्रबंधन ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि डॉ कुरियन ना सिर्फ थिंकर नहीं बल्कि सामाजिक उद्यमिता के क्षेत्र में उम्दा कार्य करने वाले थे. एक्सएलआरआइ के विद्यार्थियों को उनकी देन से अवगत कराने के लिए हर साल उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है. एक्सएलआरआइ के सीनियर प्रोफेसर मधुकर शुक्ला के निर्देशन में उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 21 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 17

एक्सएलआरआई में शिक्षा के तनाव पर कार्यशाला

जमशेदपुर. एक्सएलआरआई के सामर्थ्य टीम की ओर से गुरुवार को वार्षिक कार्यक्रम रिफ्लेक्शन का आयोजन हुआ. इस कार्यक्रम का विषय शिक्षा क्षेत्र में तनाव रखा गया. कार्यक्रम में अलग-अलग स्कूलों के विद्यार्थी अपने शिक्षकों और अभिभावकों के साथ शामिल हुए.

कार्यक्रम की अध्यक्षता जमशेदपुर के अंग्रेजी भाषा शिक्षक संघ के संस्थापक सचिव जयंती शेषाद्री ने की. इस दौरान जयंती ने अपने स्कूल के दिनों के बारे में बात की. उन्होंने छात्रों को एक पेशे के रूप में शिक्षण का महत्व बताया. वहीं उन्हें शिक्षण में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया. कार्यक्रम के दौरान बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों की टीम बनाई गई. इस टीम के सदस्य एक दूसरे को नहीं जानते. अभिभावकों और शिक्षकों से उनके विद्यार्थी जीवन के अनुभवों को साझा करने को कहा गया. इस दौरान उपजे समस्या और समाधान पर चर्चा हुई. सामने आए सफलता की कहानियों का मूल्यांकन करने के लिए कहा गया.

छात्रों को उनके जीवन में इन सफल कहानियों के पाठ को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया. इस दौरान सामर्थ्य टीम की सचिव प्रज्ञा परमिता साहू ने कहा रिफ्लेक्शन का मकसद छात्रों, माता-पिता और शिक्षकों के बीच संवादहीनता को दूर करना है.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 22 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 17

एक्सएलआरआई

डॉ वर्गीस कुरियन स्मृति सेमिनार आज

जमशेदपुर. एक्सएलआरआई के तत्वावधान में शनिवार शाम को डॉ वर्गीस कुरियन की स्मृति में पांचवां डॉ वर्गीस कुरियन मेमोरियल ऑरिएंटेशन ऑन सस्टेनेबल डेवलपमेंट आयोजित होगा. कार्यक्रम शाम छह बजे होगा. कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और अर्थशास्त्री डॉ ज्यां द्रेज आर्थिक उन्नति और सामाजिक विकास पर विचार रखेंगे. एक्सएलआरआई के निदेशक फादर ई अब्राहम ने कहा कि इस कार्यक्रम में डॉ ज्यां द्रेज की उपस्थिति महत्वपूर्ण है. वह भूख, अकाल, लिंग असमानता, बाल स्वास्थ्य और शिक्षा और एनआरईजीए जैसे विकास संबंधी मुद्दों पर रिसर्च कर रहे हैं. उनकी जानकारी से छात्रों को देश में सामाजिक वास्तविकताओं को समझने में मदद मिलेगी. उन्हें अधिक अच्छे काम के लिए प्रेरणा भी मिलेगी. कार्यक्रम के दौरान टाटा स्टील के एमडी टीवी नरेन्द्रन, एक्सएलआरआई के निदेशक फादर ई अब्राहम, डीएन एकेडमिक्स डॉ एके पाणि और प्रोफेसर मधुकर शुक्ला अपने विचार रखेंगे.

PUBLICATION: Prabhat Khabar
DATE: 23 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 19

एक्सएलआरआइ. पांचवें डॉ वर्गीस कुरियन व्याख्यान में बोले अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज

मुनाफेबाजी से देश का विकास नहीं

लाइफ रिपोर्टर ■ जमशेदपुर

सामाजिक विकास के लिए चाहिए डॉ वर्गीस कुरियन जैसे वैज्ञानिक

एक्सएलआरआइ में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज व उपस्थित विद्यार्थी. फोटो।प्रभात खबर

एक्सएलआरआइ में दुग्ध क्रांति के जनक डॉ वर्गीस कुरियन ऑरेशन का आयोजन किया गया. इसमें वक्ता के रूप में मौजूद प्रसिद्ध अर्थशास्त्री ज्यां द्रेज ने कहा कि इस बात को सोचने की जरूरत है कि देश की आर्थिक वृद्धि तेज होने के बावजूद सामाजिक विकास की गति कम क्यों है. इसका प्रमुख कारण है सामाजिक असमानता. सामाजिक विकास के लिए मुनाफाबाजी छोड़नी होगी. आर्थिक विकास व सामाजिक विकास दोनों अलग-अलग चीजें हैं. सामाजिक विकास के लिए गरीब, शोषित, वंचित, पीड़ित को सशक्त करना होगा. मौके पर एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर इ अब्राहम, सीनियर प्रोफेसर मधुकर शुक्ला, डीन एकेडमिक्स आशीष पाणी समेत काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे.

भारत के वैज्ञानिक आम लोगों के वैज्ञानिक नहीं : उन्होंने कहा कि समर्थ लोग अपनी सुविधाओं को छोड़ें. डॉ वर्गीस कुरियन आम लोगों के वैज्ञानिक थे. भारत में आज इंजीनियर या वैज्ञानिक आम लोगों के वैज्ञानिक नहीं है. वे रॉकेट, मिसाइल, स्मार्ट फोन, मोबाइल, टैब जैसी चीजों को तैयार कर रहे हैं. लेकिन आम लोगों के विकास के लिए जो चीजें जरूरी है उस पर वे ध्यान नहीं देते. उन्होंने कहा कि मैकेनिकल इंजीनियरिंग करने के बाद उनका रुझान न्यूक्लियर इंजीनियरिंग की ओर नहीं बल्कि डेयरी प्रोजेक्ट के प्रति ज्यादा था. कहा कि डेयरी के क्षेत्र में उन्होंने सहकारी आंदोलन शुरू करने के बाद कुरियन ने भैंस के दूध का पाउडर तैयार कर दुनिया को चौंका दिया. आज सामाजिक विकास के लिए कुरियन जैसे कई सामाजिक वैज्ञानिकों की जरूरत है. जो उन्हीं की तरह मुनाफा को नहीं बल्कि किसी भी उत्पाद के मूल उत्पादकों का हित सोचें. उनके जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने की चिंता करें.

जीडीपी बढ़ाने के बजाये गरीबी मिटाना हो सरकार का लक्ष्य : ज्यां द्रेज ने कहा कि देश की मीडिया कभी 7.2 फीसदी जीडीपी तो कभी 6.7 फीसदी जीडीपी दर में फंसी रहती है. सरकार भी जीडीपी बढ़ने पर अपनी पीठ थपथपाती दिखती है, लेकिन असल मायने में गरीबी दूर करना ही सरकार का लक्ष्य होना चाहिए.

सामाजिक विकास के लिए साझा प्रयास करें : ज्यां द्रेज ने कहा कि आर्थिक विकास व सामाजिक विकास दोनों में काफी अंतर है. अगर कबाब व अच्छी शराब पीनी है तो इसके लिए आर्थिक विकास जरूरी है, लेकिन भारत जैसे देश में सामाजिक विकास की आवश्यकता है. सामाजिक विकास तब ही हो सकती है जब उसके केंद्र में देश का गरीब व्यक्ति हो.

बेहतर स्वास्थ्य ही जीवन की गुणवत्ता का आधार : बेहतर जीवन के लिए बेहतर स्वास्थ्य सेवा का होना अनिवार्य है. कई देशों में यूनिवर्सल हेल्थकेयर की व्यवस्था है. इंग्लैंड व वयूबा जैसे देशों में चिकित्सा, दवा सब कुछ मुफ्त है. कनाडा में यूनिवर्सल हेल्थ इंश्योरेंस की व्यवस्था है. थाइलैंड जैसे देश में सोशल इंश्योरेंस की व्यवस्था है. यानी अगर आप बीमार होते हैं और आप अपना इलाज करवाते हैं तो इसमें जो भी खर्च होता है वह इंश्योरेंस कंपनी की ओर से दी जाती है. लेकिन भारत में ऐसा कुछ नहीं है. साथ ही कहा कि यदि डॉक्टर मुनाफा के लिए काम करने लगें तो मरीजों को उनके शोषण से कैसे बचाया जा सकता है.

झारखंड को भी चाहिए एक कुरियन : ज्यां द्रेज ने कहा कि झारखंड में आज भी पारंपरिक तरीके से खेती हो रही है. राज्य के करीब 90 फीसदी किसान 200 साल पुरानी तकनीक से खेती कर रहे हैं. यही झारखंड में कृषि के क्षेत्र में पिछड़ेपन का कारण है. लेकिन इसमें रफ्तार लायी जा सकती है. यहां बांस, महुआ, मधु, मशरूम समेत कई अन्य प्रकार के उत्पादन के जरिये विकास किया जा सकता है. कहा कि झारखंड को भी एक कुरियन की जरूरत है जो खेती में तकनीक का इस्तेमाल कर राज्य को इस क्षेत्र में विकसित बनाये.

राशन कार्ड को आधार से लिंक करने के बजाय स्मार्ट कार्ड सिस्टम हो लांच

सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री ने कहा कि सरकार की ओर से राशन कार्ड को आधार कार्ड से लिंक किया गया है. इस तकनीक से भ्रष्टाचार को दूर करने के लिए काफी हद तक मदद मिली है, लेकिन इससे उन गरीब लोगों को नुकसान हुआ है जो राज्य के सुदूरवर्ती इलाके में रहते हैं. वहां इंटरनेट कनेक्टिविटी नहीं रहने के साथ ही उनमें जागरूकता नहीं होने की वजह से वास्तव में जो गरीब हैं उनका राशन कार्ड किसी ना किसी वजह से आधार से लिंक नहीं हो पाया है. जिस वजह से उन्हें राशन नहीं मिल पाता. इसका उदाहरण पिछले साल 28 सितंबर को सिमडेगा की संतोषी कुमारी की मौत है. उसका राशन कार्ड आधार से लिंक नहीं रहने के कारण उसे राशन नहीं मिले, जबकि उसका पूरा परिवार उसी राशन पर निर्भर था. नतीजा रहा कि भूख से उसकी मौत हो गयी.

PUBLICATION:Prabhat Khabar
DATE: 29 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 17

एक्सएलआरआइ

प्रतिमाह 1.65 लाख मिलेगा इंटर्नशिप

जमशेदपुर. एक्सएलआरआइ में चल रहे समर इंटर्नशिप का समापन हो गया. दो दिनों तक समर इंटर्नशिप का आयोजन किया गया. जिसमें देश-विदेश की 95 कंपनियों ने हिस्सा लिया. कंसल्टिंग, फाइनांस, सेल्स एंड मार्केटिंग, ऑपरेशन, बिजनेस डेवलपेंट, ह्यूमन रिसोर्स और इंडस्ट्रियल रिलेशन से संबंधित कंपनियों ने समर इंटर्नशिप में हिस्सा लिया. संस्थान के 100 फीसदी यानी कुल 362

- दो महीने के लिए 362 विद्यार्थियों का चयन

विद्यार्थियों को समर इंटर्नशिप के लिए चयनित किया गया है. एक्सएलआरआइ प्लेसमेंट सेल के चेयरमैन उदय दामोदरन ने कहा कि सर्वाधिक प्रतिमाह 1.65 लाख रुपये के इंटर्नशिप पर एक्सलर्स का चयन किया गया है. इस बार समर इंटर्नशिप के लिए बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप, पी एंड जी, कोलगेट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, असेंचर, डेलॉइट, आरपी गोयनका, महिंद्रा, टाटा एडमिनिस्ट्रेटिव सर्विस, आदित्य बिड़ला, भारती एयरटेल जैसी कंपनियों ने एक्सलर्स का प्लेसमेंट किया. इंटर्नशिप के लिए चयनित सभी विद्यार्थी 2 महीने की ट्रेनिंग के बाद वापस एक्सएलआरआइ लौटेंगे. वे मई में इंटर्नशिप के लिए जायेंगे. इस इंटर्नशिप का फायदा उन्हें फाइनल प्लेसमेंट में भी मिलेगा. जिस कंपनी में वे इंटर्नशिप के लिए जायेंगे अगर वहां उनका प्रदर्शन बेहतर रहेगा तो फाइनल प्लेसमेंट में इंटर्नशिप करने वाले विद्यार्थियों को संबंधित कंपनी द्वारा वरीयता दी जाती है. इसमें फर्स्ट इयर के ही सारे विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया था. समर इंटर्नशिप के दौरान उन्हें वेतन भी दिया जायेगा. दो माह बाद सभी छात्र वापस संस्थान लौट जायेंगे. सेकेंड इयर के बाद उन्हें फिर से उसी कंपनी द्वारा उनके परफॉर्मेंस के आधार पर ऑफर दिया जायेगा. समर इंटर्नशिप को लेकर संस्थान प्रबंधन की ओर से बताया गया कि बड़ी बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधि संस्थान परिसर पहुंच रहे हैं यह संस्थान की गुणवत्ता को प्रदर्शित करता है.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 11 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Jean Dreze to address Verghese Kurien Memorial Oration at XLRI

Jamshedpur, Sept. 10 : Xavier School of Management (XLRI) is all set to organise the 5th 'Dr Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development' in memory of the founder of AMUL Verghese Kurien, known as 'the Milkman of India' on September 22 at XLRI campus.

Noted development activist and economist, Dr. Jean Dreze would deliver the oration on the topic Economic Growth and Social Development.

Fr. E Abraham, S. J. Director of XLRI commented, "Dr. Verghese Kurien was a thinker, a revolutionary and a social entrepreneur who ideated the world's biggest agricultural development programme. It was his "billion-litre idea" which made dairy farming India's largest self-sustaining industry, with benefits of employment, incomes, credit, nutrition, education, heath, gender parity & empowerment, breaking down caste barriers and grassroots democracy and leadership. XLRI instituted the oration in his memory with the aim to commemorate his legacy through propagating and disseminating the

idea of an empowered, equitable and sustainable society."

Fr. E Abraham, S. J. Director of XLRI commented, "We are extremely happy to have Dr. Jean Dreze to deliver the 5th 'Dr Verghese Kurien Memorial Oration' this year. His vast work and study on developmental issues like hunger, famine, gender inequality, child health and education, and the NREGA would help our students understand the social realities in the country and inspire them to work for the greater good."

"Dr. Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development is our humble initiative to pay tribute to the great visionary," said Prof. Madhukar Shukla, Chairperson of XLRI's Fr Arrupe Center for Ecology & Sustainability. "With this annual oration, we aim to inspire and inculcate values of entrepreneurial spirit in budding business leaders and social entrepreneurs", he added.

Dr. Jean Drèze is a noted Belgian-born Indian Development Economist and Activist. His work in India has been studying several developmental issues like hunger, famine, gender inequality, child health and education, and the NREGA. He had conceptualized and drafted the first version of the NREGA. He has co-authored several publications with noted scholars like Nobel laureate in economics Amartya Sen, Nicholas Stern and Nobel laureate in economics Angus Deaton. He is currently an honorary Professor at the Delhi School of Economics, and Visiting Professor at the Department of Economics, Ranchi University. He was a member of the National Advisory Council of India in both first and second term.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 13 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

A special show for special children at XLRI on Sept 29

Kamlesh Patel and Diwakar Sharma to attend

Jamshedpur, Sept. 12: Children with physical and mental disabilities will display their prowess at an event to be organised jointly by Jaiswal Samaj and Nishan Seva Trust at XLRI on September 29.

More than 70 children from School of Hope, School of Joy, Asha Kiran etc will sing, dance, act and attend a fashion show to overcome physical disability. These children with disabilities will aim to prove that it is just a state of mind.

This type of event is being held for the first time in Jharkhand and will be a unique and commendable

effort by the special children to conquer physical disability, said Gyan Chandra Jaiswal, President of Jaiswal Samaj.

Addressing a press meet at a city hotel on Wednesday, Jaiswal informed that celebrity guest for the event will be wonder dancer Kamlesh Patel and singing sensation Diwakar Sharma.

Kamlesh Patel has conquered physical disability to become a wonder dancer. Paralysed in both legs, he overcame great hardships to become a performer and was one of the star performers on a dance reality show last year.

Diwakar Sharma left his visual impairment behind as he not only won many hearts in a television music reality show but also topped in the 12th grade CBSE board exams.

'The purpose of calling these celebrity artists is to help encourage the children and boost their temperament so that they can move ahead in life and their parents also get purpose to live', the organiser added.

Earlier, the poster of the upcoming event was launched by Subodh Kumar, ADM (Law & Order), Arun Bakrewal, AMlesh Jha, Govind Madhav Saran, Raju Marwah, Balbir Singh, Ashok Jaiswal, Dr. Sanjay Gupta and K Nishan.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 17 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

XLRI to organise 'Daan Utsav' the Joy of Giving Week in Jamshedpur

Jamshedpur, Sept. 16 : XLRI- Xavier School of Management is organising the Jamshedpur JoyFest- 'Daan Utsav' from October 2 to 8 in association with SIGMA (Social Initiative Group for Managerial Assistance).

Prof. Madhukar Shukla, the brain behind the initiative said that this festival aims at engaging the entire city of Jamshedpur for the noble cause of donating (Daan) by working with schools, NGOs, industrial houses, various communities and the general public as well.

The underlying theme is 'Donate for dignity' which encompasses city-wide initiatives inviting donations for material resources and redistributing them to the under-served segments of the society through NGOs and other civil service organizations.

The donation of materials can be anything from Vastra-Samman - the donation of clothes, blankets, and shawls to Ann-Daan - the donation and distribution of dry ration including rice, wheat, etc. The initiative also invites donation of unused medicines which can be contributed to the NGOs around the city.

The event was kick-started with the active participation of many dignitaries from around the city which included principals from reputed schools, leaders of the CSR wings of industrial houses and NGO administrators where briefed everyone about the plans for the initiatives.

It is urged that more donors come forward and bring joy to the lives of the under-served by truly living up to the spirit of 'Daan Utsav'.

Social Initiative Group for Managerial Assistance, popularly known as SIGMA, was founded in year 2002 to work towards the social causes in and around Jamshedpur. The committee has taken up various social causes over the time, resulting in the reputation that is now associated with it. The SIGMA team also works in coherence and collaboration with the NGOs, and all the other concerned parties to make a better living for those around us. From the smallest acts of helping to the larger efforts in conducting city-level donation drives, the team works towards the social causes covering varying segments of the society.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 21 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Students, teachers speak on stress caused by education

Jamshedpur , Sept. 20 : XLRI Jamshedpur played host to students from different schools in the city along with their teachers and parents for "Reflections", an event where issues relating to students are addressed in a participative manner. Reflections is an annual event organised by Samarthya of XLRI, a committee dedicated to children's welfare. The theme of this year's event was education stress.

The event involved students being paired up with parents and teachers who were not familiar to them, and were encouraged to open up about the stress that they feel regarding their studies. The event witnessed a footfall of 53 participants, which included 8 teachers and 18 parents. The discussions saw the teachers and parents opening up about their school days and how they dealt with the stress they faced. These further triggered students to share the same. All the three parties were then asked to evaluate the success stories and what helped them brave the storm. The students were encouraged to inculcate the lessons from these success stories in their lives.

Pragya Paramita Sahoo, the secretary of Samarthya said "Reflections is an event that is aimed at bridging the communicative distance between students, parents and teachers. Samarthya planned to bridge this gap using a different format of Appreciative Enquiry. From the very beginning, the process is aimed at bringing out ways to flourish in the face of stress in our lives and the best part is that all the 3 stakeholders presented their views. The sharing of the different perspectives was well appreciated by the participants as well." The event was presided over by Mrs Jayanthi Sheshadri, the founder secretary of the English Language Teachers Association of Jamshedpur. Mrs Sheshadri talked about her school days when she herself faced failures but with the help of a teacher started working hard and succeeded eventually. She also talked to students about the greatness of teaching as a profession and encouraged them to pursue a career in teaching.

Samarthya is the youth wing of Centre for Education Management, Leadership and Research (CEMLR) and operates under the guidance of Father Peter. The committee was formed with the sole aim of helping the school students of Jamshedpur, their parents and their teachers deal with their emotions and realize their full potential. They also organise weekly sessions for students in XLRI campus to help them with their academics which are taken by students of XLRI. Samarthya also organises "Disha", an annual career guidance fest that witnesses footfall from schools across Jamshedpur. Attachments area

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 23 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Dr Jean Dreze delivers Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development at XLRI

Jamshedpur, sept. 22: XLRI- Xavier School of Management on Saturday organised the 5th Dr Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development. Organised under the aegis of Fr Arrupe Center for Ecology and Sustainability (FACES), XLRI, in memory of the Founder of AMUL Dr. Verghese Kurien, otherwise known as "the Milkman of India", the oration aims to provide a platform to listen to and learn from thought leaders, social entrepreneurs, development sector professionals and policy makers who have made a significant contribution to the idea of an empowered, prosperous and sustainable society.

This year, Dr Jean Dreze, eminent development activist & economist delivered the oration on the topic "Economic Growth and Social Development".

The event was also graced by Fr. E Abraham, S. J. Director of XLRI and Dr. Ashis K. Pani, Dean (Academics), XLRI and Dr. Madhukar Shukla, Chairperson, Fr. Arrupe Center for Ecology & Sustainability, XLRI.

In his speech, Dr. Jean Dreze spoke about various aspects of sustainable development and how society can play role in it.

In his address, Fr. E Abraham, S. J. Director of XLRI said, "The sunshine that Dr. Kurien brought in the lives of millions in the country will always be remembered with gratitude. We must acknowledge the immense contribution of Dr Verghese Kurien for his far-sighted vision in helping kick-start a co-operative milk movement that transformed India into the largest milk producing country in the entire world and also shaping a forward integration business model by helping create AMUL as the country's largest single food brand. In the process, we have secured self-sufficiency for India in the dairy sector propelling our nation towards a position of eminence on the global dairy map. Dr. Kurien's creation of community-owned co-operatives empowered millions of rural families, most of whom were landless and small farmers, in India."

"We decided to institute this Annual Oration to commemorate Dr Kurien's legacy - because his life and work exemplifies the model for a responsible management leader, combining business skills with the larger good of the society and nation-building," Fr. Abraham added.

Remembering Dr. Kurien, Fr. Abraham further said, "XLRI's relationship with Dr. Kurien goes back to over 24 years. I personally had an enriching association with Dr Kurien and was greatly inspired with his visionary foresight and single-minded determination in executing his vision for the dairy sector and more importantly in helping raise the living standards of millions of rural milk producers across thousands of villages in India.

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 30 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

XLRI completes summer placements in two days, students offered Rs 1.65 lakhs stipend

Jamshedpur, Sept. 29 : Xavier School of Management (XLRI) completed its Summer Internship Placement Process (SIP) for the batch of 2018-20 in just two days. The batch consisting 362 students has achieved 100 per cent placement. The highest stipend offered being INR 1.65 lakhs per month. The SIP process saw participation of over 95 companies offering roles across domains including consulting, finance, sales and marketing, operations, business development (BM), human resources (HR) and industrial relations (IR).

This year multiple new companies were added to the recruiters' list. The Boston Consulting Group, AT Kearney, Accenture Strategy, EY, Deloitte, KPMG and PwC recruited from the Consulitng domain.

P&G, Colgate Pamolive, Hindustan Unilever Limited, Nestle, RB Johnson & Johnson, Mondelez, Coca Cola, Pepsi, ITC India and AB InBev were among the regular recruiters from the FMCG sector. Goldman Sachs, HSBC, Avendus Capital, JP Morgan Chase, Citibank, Kotak Wealth, Maitreyi Capital Advisors, ICICI Bank, Yes Bank and Edelweiss represented the financial services sector.

Tata Administrative Services, Aditya Birla Group, RP Goenka, Mahindra and Bharti Airtel group offered General Management roles. General Electric, Shell, Samsung Electronics, Bharti Airtel and Star also extended offers to the candidates. "This has been a good year for summer recruitments. We are extremely grateful to all the recruiters for re-affirming their trust in the XLRI brand and our student community. We sincerely hope that our relationship with the recruiting organisations will go from strength to strength and would continue to be mutually beneficial in the years ahead," commented Prof. UdayDamodaran, chairperson, placements (2 yrs. PGDM Programs), XLRI- Xavier School of Management. "A notable characteristic of the recruitment process this year was the excellent placements across consulting and operations domains. Boston Consulting Group hired 13 candidates. Students secured placements in prestigious operations roles in P&G, RB and Johnson & Johnson. This was in addition to the strong placements in the human resources and marketing sectors in which XLRI has traditionally shown exceptional recruitment results," Prof. Damodaran added.

PUBLICATION: The Economic Times
DATE: 6 September, 2018
EDITION: Kolkata
PAGE: 6

To Hire Future Managers, Recruiters at B-Schools Bet on Pre-placement Offers

Sreeradha.Basu@timesgroup.com

Kolkata: If you join an MBA course at any of India's top business schools, chances are you may land a job a little more than a year into the programme.

Companies are increasingly giving pre-placement offers (PPOs) to students of top B-schools based on their performance during summer internships. At this rate, the 30-minute final placement interview — the traditional method of campus recruitment — may soon become the second most-preferred way for hiring future managers.

Estimates from several Indian Institutes of Management (IIMs) and other top B-schools such as MDI Gurgaon and XLRI show that up to one in every three students in the class of 2020 is likely to be recruited through PPOs. Consulting and consumer biggies are leading the charge with a flurry of PPOs, in the process ensuring that more students have a job in hand before the final placements even kick off in what institutes expect to be a strong placement season.

They usually go on till January. This year, just a couple of months into the process—and more than four to go—most IIMs have already notched up 60-80% of last year's total PPO tally.

IIM Bangalore has already received over 100 PPOs this year, against a total of 155 PPOs the previous batch managed to attract by the end of the academic year. IIM Calcutta has 80-plus PPOs (last year's total was 133) while IIM Kozhikode has so far got at least 61 offers against 79 in the whole of last year. At MDI Gurgaon, the PPO tally has crossed 71, a nearly 122% jump over the 32 offers it had at the same time last year. XLRI-Xavier School of Management students have notched up over 81 offers against last year's total of 122.

Tried & Tested

- Early into PPO season, B-schools have hit **60-80%** of last year's total PPO tally; offers will continue to come in till January
- **Highest offers** at some B-schools include Uber with ₹39.7 lakh at XLRI; P&G with ₹28 lakh at MDI Gurgaon and a ₹32 lakh top salary at IIM Kozhikode
- **Consultancies & consumer companies** are among those making the maximum number of PPOs as of now
- **Companies feel** it is a smarter strategy to hire someone who they have observed closely over a two-month summer internship
- **This year**, many companies were quicker in extending PPOs to talent they have tried and tested

CONSULTING, CONSUMER COS LEAD WAY

Sapna Agrawal, head, career development services, IIM Bangalore, said strategy consulting, general management and FMCG companies are normally early with their pre-placement offers. "The finance firms will confirm their PPOs later," she said.

Global management consultancy BCG India has already made 50-plus pre-placement offers across the country's top B-schools. "Over the last few years, our internship numbers have increased dramatically given our overall strong growth and intent to shift towards sizeable PPO hires," said Sumit Gupta, partner & recruiting head at BCG India. Hiring through PPOs is aimed at giving both the parties a chance to experience each other and bring out the best results, he said.

Bain & Company, too, will continue to double down on PPOs across experienced consultant roles, its partner Megha Chawla said. The global consulting firm runs its summer programme at IIM Ahmedabad, IIM Bangalore, IIM Calcutta and IIM Lucknow. "It's an indispensable part of our recruitment process," Chawla said, adding that about 75% is the typical conversion rate of interns landing pre-placement offers.

Consumer companies too are going strong. Hindustan Unilever, Procter & Gamble, and Reckitt Benckiser are among consumer products companies that have made PPOs at IIM Calcutta, said Abhishek Goel, chairperson, career development and placement office, at the institute. At IIM Kozhikode, Aditya Birla Fashion and Retail, Asian Paints, BCG, Deloitte, EY, HUL and Nestle were among those who have made offers, its placements chairperson Shovan Chowdhury said.

Godrej offers internships and hires full time for all its key businesses in human resources, supply chain, sales, marketing, strategy and business development. This time, it has made 26 PPOs from summer internships for students graduating in 2019. Besides scaling up hiring from regulars such as IIFT, MDI, FMS, IIM Ahmedabad, ISB, SPJIMR, NITIE, SIBM, SCMHRD, IRMA and XIMB, it has also explored some new schools like IIM Trichy for the Godrej Agrovet business, and IIM Calcutta, for Godrej Properties.

Sumit Mitra, head-group HR and corporate services at Godrej Industries and associate companies, said 37 of the 41 management trainees who joined the group in 2018 were through the PPO route. "We believe it is a smarter strategy to hire someone who we have observed closely over a two-month summer internship, rather than to go back to campus for full-time placements and make hiring decisions about people who we have never met before, after 30-minute long interviews," Mitra said.

PUBLICATION: The Economic Times
DATE: 4 September, 2018
EDITION: Kolkata
PAGE: 6

Companies Place their Bets on PPOs to Hire Future Managers

Sreeradha.Basu@timesgroup.com

Kolkata: If you join an MBA course at any of India's top business schools, chances are you may land a job a little more than a year into the programme.

Companies are increasingly giving pre-placement offers (PPOs) to students of top B-schools based on their performance during summer internships. At this rate, the 30-minute final placement interview — the traditional method of campus recruitment — may soon become the second most-preferred way for hiring future managers.

Estimates from several Indian Institutes of Management (IIMs) and other top B-schools such as MDI Gurgaon and XLRI show that up to one in every three students in the class of 2020 is likely to be recruited through PPOs.

Consulting and consumer biggies are leading the charge with a flurry of pre-placement offers, in the process ensuring that more students have a job in hand before the final placements even kick off in what institutes expect to be a strong placement season.

Pre-placement offers usually go on till January. This year, just a couple of months into the process—and more than four to go—most IIMs have already notched up 60-80% of last year's total PPO tally.

IIM Bangalore has already received over 100 PPOs this year, against a total of 155 PPOs the previous batch managed to attract by the end of the academic year. IIM Calcutta has 80-plus PPOs (last year's total was 133) while IIM Kozhikode has so far got at least 61 offers against 79 in the whole of last year.

At MDI Gurgaon, the PPO tally has crossed 71, a nearly 122% jump over the 32 offers it had at the same time last year. XLRI-Xavier School of Management students have notched up over 81 offers against last year's total of 122.

Tried & Tested

- **Early into PPO** season, B-schools have hit **60-80%** of last year's total PPO tally; offers will continue to come in till January
- **Highest offers** at some B-schools include Uber with ₹39.7 lakh at XLRI; P&G with ₹28 lakh at MDI Gurgaon and a ₹32 lakh top salary at IIM Kozhikode
- **Consultancies & consumer companies** are among those making the maximum number of PPOs as of now
- **Companies feel** it is a smarter strategy to hire someone who they have observed closely over a two-month summer internship
- **This year**, many companies were quicker in extending PPOs to talent they have tried and tested

CONSULTING, CONSUMER COS LEAD WAY

Sapna Agrawal, head, career development services, IIM Bangalore, said strategy consulting, general management and FMCG companies are normally early with their pre-placement offers. "The finance firms will confirm their PPOs later," she said.

Global management consultancy BCG India has already made 50-plus pre-placement offers across the country's top B-schools. "Over the last few years, our internship numbers have increased dramatically given our overall strong growth and intent to shift towards sizeable PPO hires," said Sumit Gupta, partner & recruiting head at BCG India. Hiring through PPOs is aimed at giving both the parties a chance to experience each other and bring out the best results, he said.

Bain & Company, too, will continue to double down on PPOs across experienced consultant roles, its partner Megha Chawla said. The global consulting firm runs its summer programme at IIM Ahmedabad, IIM Bangalore, IIM Calcutta and IIM Lucknow. "It's an indispensable part of our recruitment process," Chawla said, adding that about 75% is the typical conversion rate of interns landing pre-placement offers.

Consumer companies too are going strong. Hindustan Unilever, Procter & Gamble, and Reckitt Benckiser are among consumer products companies that have made PPOs at IIM Calcutta, said Abhishek Goel, chairperson, career development and placement office, at the institute.

Estimates from several IIMs and other top B-schools show that up to one in every three students in the class of 2020 is likely to be recruited through PPOs

At IIM Kozhikode, Aditya Birla Fashion and Retail, Asian Paints, BCG, Deloitte, EY, HUL and Nestle were among those who have made offers, its placements chairperson Shovan Chowdhury said.

Godrej offers internships and hires full time for all its key businesses in human resources, supply chain, sales, marketing, strategy and business development. This time, it has made 26 PPOs from summer internships for students graduating in 2019. Besides scaling up hiring from regulars such as IIFT, MDI, FMS, IIM Ahmedabad, ISB, SPJIMR, NITIE, SIBM, SCMHRD, IRMA and XIMB, it has also explored some new schools like IIM Trichy for the Godrej Agrovet business, and IIM Calcutta, for Godrej Properties.

Sumit Mitra, head-group HR and corporate services at Godrej Industries and associate companies, said 37 of the 41 management trainees who joined the group in 2018 were through the PPO route. "We believe it is a smarter strategy to hire someone who we have observed closely over a two-month summer internship, rather than to go back to campus for full-time placements and make hiring decisions about people who we have never met before, after 30-minute long interviews," Mitra said.

COMPANIES QUICKER TO ROLL OUT PPOS

This year many companies are quicker in extending PPOs to talent they have tried and tested out, institute officials said. "This year, nearly double the number of companies (27) have rolled out pre-placement offers during June-August in comparison to 14 last year," said Kanwal Kapil, dean, continuing education, consulting, alumni and placements, MDI Gurgaon.

The highest offer so far at the institute is ₹28 lakh offered by P&G. "At present, many of the technology companies including ACT Fibernet and Intel have started offering PPOs," Kapil said. "New companies which came for summer placements like P&G, MARS and Bajaj Auto have also offered PPOs," he said.

At XLRI, top offer so far is ₹39.7 lakh from Uber. JP Morgan Chase Markets, BCG, Uber, Microsoft, P&G, RB, HUL, Asian Paints, Mahindra, J&J, RPG, AB InBev, Cipla, Flipkart, and RPG are among the companies that have made offers at the institute, according to Uday Damodaran, chairperson, placements (two years PGDM programmes) at XLRI. "Initial numbers look promising," he said.

PUBLICATION: The Financial Express
DATE: 24 September, 2018
EDITION: Kolkata
PAGE: 7

KR SHYAM SUNDAR
Professor, HRM Area, XLRI-Xavier School of Management, Jamshedpur

Does fixed-term hiring really spur job growth?

Fixed-term employment is costlier than contract labour as parity of wage and benefits, etc, raises the cost to company. Employers resort to contract labour mainly because they can then transfer monitoring costs and headaches associated with it, such as disciplinary action and costs of management of social security compliances, to the contractors

Lower employment tenure and fluctuating employees attract less or no human capital investment, which can have adverse outcomes, such as accidents as well as poor re-employability

THE NATIONAL DEMOCRATIC Alliance (NDA) came into power in 2014 promising, among other things, 2 crore jobs a year. There have been ...

The 'recognition' question in trade union law

Ensuring that trade unions are recognised by central and state ministries is all very well, but that should extend to employers

KR SHYAM SUNDAR

The trade union movement in India, for various reasons, has been characterised by a multiplicity of unions. Hence, a tripartite national body determines the membership criteria for designating trade union organisations as central trade union organisations (CTUOs). On the basis of this process, certain unions are deemed 'recognised'.

Trade unions with a verified membership of five lakh spread over at least four States and four industries as on December 31, 2002 were given the status of CTUOs by the Office of the Chief Labour Commissioner (Central). As per the 2002 exercise, currently there are 13 CTUOs. A similar exercise on revised norms as on December 31, 2011 is currently under way.

Since this exercise is based on tripartite consensus and has no statutory backing as such, the Centre proposes to grant statutory recognition to TUs by amending the Trade Unions Act, 1926 (TU Act), so that other central and state ministries take them seriously. The proposed Section 28-A in the TU Act would require the Centre and the States to provide for statutory recognition of trade unions.

However, the move, while being fine in itself, needs to address the principal grievance of trade unions: they wish to be accorded recognition by the employers.

As far as the positives of the proposed move are concerned, the TU Act merely provides for voluntary registration of trade unions, and not for their statutory recognition by employers for collective bargaining purposes.

The latter becomes necessary as employers may not wish to negotiate with a trade union of workers' choice. This has led to industrial unrest (deaths of management officials in Pricol to disputes in Maruti Suzuki) and long-drawn legal battles. Despite demands by trade unions and employers, statutory recognition by employers does not exist in the Act.

This is perhaps the most needed reform for an orderly conduct of industrial relations in a firm. In the absence of statutory union recognition and bargaining obligation, any minority union can vitiate industrial relations in a firm either on its own or by connivance with employers.

Labour reforms overdue AP

In a pluralistic democracy such as ours, various pressure groups of workers and employers' organisations co-exist. The government engages with them to determine policies and laws. As a member of the International Labour Organisation and having ratified Tripartite Consultation (International Labour Standards) Convention, 1976 in 1978, the government is committed to social dialogue.

Issue galore

This proposed move to amend the TU Act itself raises several issues. Firstly, India having ratified the ILO Convention is bound to "recognise" representative trade unions, anyway (determined voluntarily or otherwise). Secondly, the mention of "other" ministries in the explanatory note to the proposed amendment seems tangential, if not absurd; it completely ignores the serious "allegations and complaints" made by various CTUOs that the Labour Ministry has been carrying out several labour reforms without consulting them. In such a case, why would any other ministry, such as the Ministry of Commerce and Industries take CTUOs seriously, even if they are legally backed?

Thirdly, in a pluralistic democracy good governance demands consultations with all stakeholders. Statutory recognition may not be crucial in itself if there is a consensus on the criteria and the method of recognising representative organisations.

Fourthly, the amendment provides that in the event of any dispute over recognition by the Central or the State governments, it will be decided by an authority, and by means provided by the appropriate government. This is a poor provision, as it leaves the crucial issues to "rules" made under it. Which authority's adjudication will be acceptable to the erring ministries?

It is not clear as to whether the coverage of disputes will include those arising out of the very process of determining representativeness. For instance, should this be done by membership verification or secret ballot? We know from the past that the CTUOs' determination process is ridden with conflict.

Fifthly, why is the government not talking about such a process for the employers' organisations (which also have multiple bodies) who are also stakeholders in social dialogue? Finally, even if all governments decide to conduct secret ballot to determine the representativeness of trade unions the costs of such an exercise will be prohibitive.

Legal reforms to improve representative processes must be backed by genuine socio-economic intent.

The writer is Professor, Xavier School of Management, Jamshedpur

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 11 September, 2018
EDITION:Jamshedpur
PAGE: 4

Jean Dreze to address Verghese Kurien Memorial Oration

PNS ■ JAMSHEDPUR

Xavier School of Management (XLRI) is all set to organise the 5th 'Dr Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development' in memory of the founder of AMUL Verghese Kurien, known as 'the Milkman of India' on September 22 at XLRI campus.

Noted development activist and economist, Dr. Jean Dreze would deliver the oration on the topic Economic Growth and Social Development.

Fr. E Abraham, SJ Director of XLRI commented, "Dr. Verghese Kurien was a thinker, a revolutionary and a social entrepreneur who ideated the world's biggest agricultural development programme. It was his "billion-litre idea" which made dairy farming India's largest self-sustaining industry, with benefits of employment, incomes, credit, nutrition, education, heath, gender parity & empowerment, breaking down caste barriers and grassroots democracy and leadership. XLRI instituted the oration in his memory with the aim to commemorate his legacy through propagating and disseminating the idea of an empowered, equitable and sustainable society."

Fr. E Abraham, S. J. Director of XLRI commented, "We are extremely happy to have Dr. Jean Dreze to deliver the 5th 'Dr Verghese Kurien Memorial Oration' this year. His vast work and study on developmental issues like hunger, famine, gender inequality, child health and education, and the NREGA would help our students understand the social realities in the country and inspire them to work for the greater good."

"Dr. Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development is our humble initiative to pay tribute to the great visionary," said Prof. Madhukar Shukla, Chairperson of XLRI's Fr Arrupe Center for Ecology & Sustainability. "With this annual oration, we aim to inspire and inculcate values of entrepreneurial spirit in budding business leaders and social entrepreneurs", he added.

Dr. Jean Drèze is a noted Belgian-born Indian Development Economist and Activist. His work in India has been studying several developmental issues like hunger, famine, gender inequality, child health and education, and the NREGA. He had conceptualized and drafted the first version of the NREGA. He has co-authored several publications with noted scholars like Nobel laureate in economics Amartya Sen, Nicholas Stern and Nobel laureate in economics Angus Deaton. He is currently an honorary Professor at the Delhi School of Economics, and Visiting Professor at the Department of Economics, Ranchi University. He was a member of the National Advisory Council of India in both first and second term.

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 20 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

XLRI students discuss importance of employee relations

PNS ■ JAMSHEDPUR

Students from SAPPHIRE - XLRI recently participated at the 6th National Awanish Dev Memorial Lecture held in Kolkata.

The XLRI students were among the six student panelists selected from various B-Schools to speak in the panel discussion on the theme "Redefining ER Strategy in Digital Era" during the session. During the course of this discussion, students were asked questions by the dignitaries and others in the audience, which were individually answered and further deliberated upon throughout the discussion. The discussion and reinforced the importance that employee relations has today.

The lecture session, organised by Maruti Suzuki and XISS Ranchi to commemorate the Maruti Suzuki Manesar plant incident of 2012, was participated by IR Industry leaders, CXOs, consultants, employee relations professionals, senior executives of companies and top B-Schools of the region.

The student representatives from SAPPHIRE – XLRI said that the opportunity to listen to such personalities was an immense learning experience for them.

PUBLICATION: The Pioneer
DATE: 30 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 3

XLRI students offered ₹1.65 lakh stipend

Institute sums up summer placements in two days

PNS ■ JAMSHEDPUR

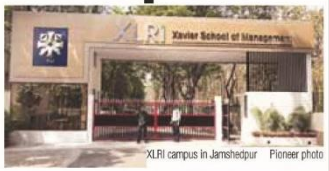

XLRI campus in Jamshedpur Pioneer photo

Xavier School of Management (XLRI) completed its Summer Internship Placement Process (SIP) for the batch of 2018-20 in just two days. The batch consisting 362 students has achieved 100 per cent placement. The highest stipend offered being INR 1.65 lakhs per month.

The SIP process saw participation of over 95 companies offering roles across domains including consulting, finance, sales and marketing, operations, business development (BM), human resources (HR) and industrial relations (IR).

This year multiple new companies were added to the recruiters' list. The Boston Consulting Group, AT Kearney, Accenture Strategy, EY, Deloitte, KPMG and PwC recruited from the Consulting domain. P&G, Colgate Pamolive, Hindustan Unilever Limited, Nestle, RB Johnson & Johnson, Mondelez, Coca Cola, Pepsi, ITC India and AB InBev were among the regular recruiters from the FMCG sector.

Goldman Sachs, HSBC, Avendus Capital, JP Morgan Chase, Citibank, Kotak Wealth, Maitreyi Capital Advisors, ICICI Bank, Yes Bank and Edelweiss represented the financial services sector.

Tata Administrative Services, Aditya Birla Group, RP Goenka, Mahindra and Bharti Airtel group offered General Management roles. General Electric, Shell, Samsung Electronics, Bharti Airtel and Star also extended offers to the candidates.

"This has been a good year for summer recruitments. We are extremely grateful to all the recruiters for re-affirming their trust in the XLRI brand and our student community. We sincerely hope that our relationship with the recruiting organisations will go from strength to strength and would continue to be mutually beneficial in the years ahead," commented Prof. Uday Damodaran, chairperson, placements (2 yrs. PGDM Programs), XLRI- Xavier School of Management.

"A notable characteristic of the recruitment process this year was the excellent placements across consulting and operations domains. Boston Consulting Group hired 13 candidates. Students secured placements in prestigious operations roles in P&G, RB and Johnson & Johnson. This was in addition to the strong placements in the human resources and marketing sectors in which XLRI has traditionally shown exceptional recruitment results," Prof. Damodaran added.

PUBLICATION: Pioneer
DATE: 30 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 4

AGON 4.0 kicks off at IIM-R

PNS ■ RANCHI

Students pose for photo with winning certificates during the annual management fest of IIM-R, AGON in Ranchi on Saturday Ratan Lal I Pioneer

Taking up the Bahumukhvikaso Gantavyah, the Sanskrit verse in Indian Institute of Management – Ranchi (IIM-R) logo that echoes the Institute's mission to work towards 'Holistic development of individual, institutions and the society at large', the annual management fest of IIM-R, AGON – 4.0 kicked off on Saturday with much zeal and enthusiasm bringing in some of the best talents together. AGON 4.0 is a platform where some of the best minds of the country take part in the competitions from different sectors of management.

With more than 1500 participants across various events, AGON 4.0 has captured extensive attention amongst management enthusiasts in various B-Schools. AGON experienced a footfall of about 700 on its inaugural day here which include students from IIM Ahmedabad, IIM Bangalore, IIT Kharagpur, ISB, FMS, XLRI, IIM Calcutta, XIMB, NMIMS, IIM Indore, IIM Lucknow, IIT Madras and others.

The two-day event was inaugurated by IIM-R Professor KN Singh. Speaking on the occasion, Singh expressed his delight over the enthusiasm and active participation of the students that AGON has witnessed this year and urged to the students to consider this as a great opportunity of learning from practical exposure point of view.

Further, Singh emphasized upon the importance of discipline, teamwork and commitment in organising the events while focusing on learning from mistakes that help students become great corporate professionals.

Events like Cricket Mandi, an IPL based cricket auction by Conundrum, the Consulting Club, Finance Club's Plutus, its flagship business valuation competition was organised on the first day.

Similarly, Hire, the HR Club, charged up the atmosphere with Varstand, a recruitment bidding competition, along with Marquess, the Marketing Club competition where evaluation of the participants is based on their branding abilities through an on the spot ad-making contest.

Meanwhile, the literary club organised debate, quiz and writing events. Sankriya's Crack the Case was another attraction for those who aspire to be experts in 'Operations'. Online quizzes, amongst which E-Cell conducted Entrepreneurial Quotient, while QR Code, the Quiz Club had Gnosis to test participants' general awareness received huge response from the participants.

Other events sucha as Parivridhi, Smadhan, Sab bikta hai and Cinema Paradiso have captivated the interest of large participants. Esteemed jury members from leading organisations like Goldman Sachs, Tata Group, Jharkhand Innovation Lab and Ernest & Young graced the occasion.

PUBLICATION: The Statesman
DATE: 11 September, 2018
EDITION: Kolkata/New Delhi
PAGE: 16

Enriching academia

National Librarian's Day was recently celebrated at XLRI, Jamshedpur. An image of mathematician and librarian S R Ranganathan was installed at the library as a part of the celebrations.

Oswald Mascarenhas, SJ JRD Tata chair professor of business ethics at XLRI and the chief guest at the function, described the Five Laws of Library Science put forth by Ranganathan and the role of librarians in adhering this.

The IT team of the institute launched an updated Library Knowledge Portal encompassing eye-catching user interface of its resources and services. Surprise gifts were presented to the outstanding library staff on their skill development programmes.

PUBLICATION: The Statesman
DATE: 18 September, 2018
EDITION: Kolkata/New Delhi
PAGE: 16

PLUS POINTS

Productive exchanges

The first edition of leadership conclave hosted by the Institute for Advanced Studies in Complex Choices in collaboration with XLRI- Xavier School of Management was held recently.

The two-day conclave brought together industry leaders, economists, academicians and technologists to discuss the impact of continuously evolving environment on organisational, personal and public policy choices.

Among the speakers at the conclave were Bhavesh Shah, senior vice president of finance, Johnson & Johnson; Yogi Sriram, senior vice president, Human Resources; P Venugopal, professor of marketing and chairperson, Center for Global Management and Responsible Leadership, XLRI- Xavier School of Management, and Anil K Sood, founder, IASCC, and other dignitaries.

A highlight of the discussion was that the present constraints on growth, globally as well as in India, are arising from lack of demand rather than the constraints on supply. A need to invest for creating demand and find ways to improve people's earnings was stressed upon. Economic growth that is not equitable and is without investment in building capability for future is not sustainable.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 7 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

Rainbow shines bright on India's sky with the landmark SC judgment decriminalising gay sex as youngsters even in small towns embrace the move

FREE TO LOVE, FINALLY

The Supreme Court on Thursday overruled its own 2013 decision and partially struck down Section 377 of the controversial colonial law that criminalised consensual gay sex. But non-consensual or consent obtained by force continues to be an offence. So does "carnal intercourse with children, animals and bestiality". Legal battle won, the social battle for acceptance of diverse sexual orientations will get easier. Chief Justice of India Dipak Misra also called for a shift in attitudes. We're getting there if the liberal mindsets of youngsters from smaller cities, where even mild heterosexual PDA gets attacked by moral police, are anything to go by, discovers **The Telegraph**

The LGBTQ community celebrates the Supreme Court's verdict on Section 377 at Garubasa, Jamshedpur, on Thursday. Picture by Bhola Prasad

WAY TO GO, INDIA

Let's rejoice that India as a nation has moved forward and given the LGBTQ community the right to love. I think this victory belongs more to all social workers and activists who have been campaigning for their rights for decades. With the Supreme Court decision, people will at least stop mocking them. As a student of business management, I and my friends accept the verdict with open arms

ESHA PANDEY,
XLRI first-year, Jamshedpur

India since time immemorial is known for respecting all kinds of divergent opinions on all issues. Even in our mythology there is the concept of *ardhnarishwar* or androgynous form of deity. So what's wrong with homosexuality? No law should infringe our basic rights to live our life our own way

PRINCE HARSH
IIT(ISM) integrated MTech final-year, Dhanbad

A nation can't develop unless it respects the sentiments of all sections of society, even if one section is a minority. It is surprising that such an archaic law existed in India for so long. Every individual has the right to live his life as per his choice. How can we tell people whom to love and whom not to love?

JYOTI KUMARI,
BIT-Sindri third-year engineering, Dhanbad

LAW OF THE HEART

It's simple. People must have the freedom to choose who they want to live their life with, male or female

ADITYA KATARUKA
XISS MBA second-year, Ranchi

People often say it (being gay) is unnatural or a mental disorder but I think whatever exists and happens is natural and we should accept it. We talk big about human rights but have hardly considered them equal. Today's verdict ensures their rights. People from the LGBTQ community hopefully won't need to hide their identity. The situation is somewhat better in metros but people in tier II and III cities still humiliate sexual minorities

AMIT KUMAR,
Karim City College PG first year, Jamshedpur

It was a medieval rule that went against one's right to privacy. Society will take time to change but the legal shield will help

VISHAL SINGH,
BIT-Sindri third-year engineering, Dhanbad

REAL EQUALITY

Protection of one's sexual orientation lies at the very core of fundamental rights on which the legal system and our Constitution is based. Students are observing it as a day of celebration. This judgment is about basic rights for individuals

SHREYASHI TIWARI,
NUSRL BA LLB fifth year, Ranchi

Students on campus had been following the judgment and the moment it was out it was like a celebration. This should have happened long ago. It's a big step towards real democracy. History should apologise to those people for calling it (their sexual orientations) a crime. We should let people be themselves.

SAMADRITO
BIT-Mesra BTech final year, Ranchi

COMMUNITY VOICES

I am speechless with joy. But as a member of the community I feel there is lot more to do after this verdict. Awareness is the key. So many people do not know about LGBTQ, or if they do, they use such derogatory terms. This needs to change. Yes, we are not legally criminals anymore. But we wish that along with judges, society also accepts us as normal human beings

AMARJEET SINGH, *LGBTQ activist in Jamshedpur*

The Supreme Court judgment is the answer to our relentless struggle for years. Now, people from the community need acceptance and jobs. I thank corporate entities who support us

RAMJI NANDA, *President of Uthan, an outfit working for LGBTQ, Jamshedpur*

LONE DISSENTER

We shouldn't tamper with nature's law. Having an emotional bonding is fine but getting physically involved with a person of the same sex is against the order of nature that won't allow procreation. This judgment is not something I stand by

ANKIT AGRAWAL, *BIT-Mesra BTech final year*

Compiled by Praduman Choubey, Antara Bose, Akansha Mishra

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 12 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

ECONOMIST TO ADDRESS XLRI STUDENTS NEXT WEEK

Jean Drèze's tribute to Dr Kurien

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: Come September 22, Belgium-born Indian development economist and activist Jean Drèze will address management students on various social issues during the fifth edition of 'Dr Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development' at XLRI.

Drèze will speak on the topic 'Economic Growth and Social Development' during the oration held in the memory of Dr Verghese Kurien, the founder of Amul, also known as the Milkman of India.

XLRI director Father E. Abraham said the oration was instituted to pay tribute to the great visionary and propagate the idea of an empowered and a sustainable society.

"Dr Verghese Kurien was a thinker, a revolutionary and a social entrepreneur who ideated the world's biggest agricultural development programme. It was his 'billion-litre idea' that made dairy farming India's largest self-sustaining industry, with benefits in employment, income, nutrition, education, health, gender parity and empowerment by breaking down caste barriers," he added.

He further added, "We are extremely happy to invite Jean Drèze to deliver the oration this year. His vast work and study on social issues like hunger, famine, gender inequality, child health and education will help our students understand the harsh realities of the society and inspire them to work for the greater good."

Jean Drèze

In the past, several eminent personalities like ace journalist P. Sainath, social activist and founder of Barefoot College Bunker Roy, environmentalist Ashok Khosla and Padma Bhushan lawyer and activist Ela Bhatt had graced the oration.

"Through the annual oration, we aim to inspire and inculcate entrepreneurship spirit among budding business leaders," said Madhukar Shukla, chairperson of XLRI's Fr Arrupe Centre for Ecology and Sustainability.

Besides studying several developmental issues, Drèze had also conceptualised and drafted the first version of National Rural Employment Guarantee Act, 2005 (NREGA). He has co-authored several publications with noted scholars like Nobel laureate Amartya Sen, British economist Nicholas Stern and Nobel laureate in economics Angus Deaton. He is currently an honorary professor of Delhi School of Economics and visiting professor at the economics department of Ranchi University. He has also been a member of the National Advisory Council of India in both its first and second terms.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 22 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 8

GOOD MORNING

EVENTS

■ Dr Verghese Kurien Memorial Oration on Sustainable Development at Tata auditorium, XLRI, Jamshedpur, 6pm.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 23 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 9

ALL EARS

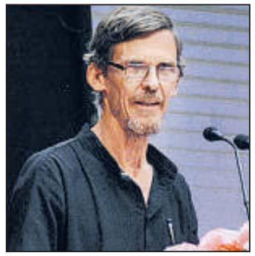

Economist Jean Drèze speaks at the fifth Dr Verghese Kurien Memorial Oration in Jamshedpur on Saturday. (Bhola Prasad)

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 24 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 9

The joy of meeting a Samaritan

OUR CORRESPONDENT

Jamshedpur: The much-touted philanthropic initiative of XLRI, Daan Utsav, will from now on be a personalised service.

First conceptualised in 2008, Daan Utsav (formerly known as The Joy of Giving Week) brings together a host of Indian schools, colleges, NGOs, corporate houses and celebrities to give spontaneously to the poor in any form.

This year during the Daan Utsav from October 2 to 8, the B-school plans to bring together the donors and recipients on a single platform in order to maintain transparency in the process.

"Till now we acted as a medium to distribute articles. But from now on we will help in bringing both the donors and the poor on a single platform. The idea is to let people know whom they are donating," said senior faculty member Madhukar Shukla.

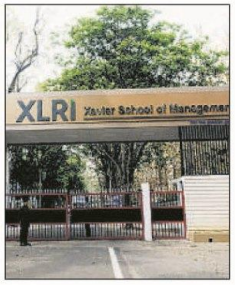

XLRI, Jamshedpur

Educational institutions, local companies, giant corporates, housing societies, NGOs or private individuals, anyone in and around Jamshedpur can be a part of the festival.

Besides clothes and food grains, several students and corporate houses donate mosquito nets and sanitary napkins that are further distributed among the needy. Several daily use items like combs, nail cutters, safety pins, irons, notebooks, pencils, erasers and first-aid boxes are also donated.

"We have already written to the several schools, corporate houses and NGOs to take part in the initiative. Our students have also put up posters across the city and they are already started receiving good response," Shukla said.

PUBLICATION: The Telegraph
DATE: 29 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 10

XLRI bags plum summer jobs

OUR SPECIAL CORRESPONDENT

Jamshedpur: Prestigious B-school XLRI on Friday announced that it had achieved 100 per cent placement in the summer internship programme for the batch of 2018-20 comprisisng 362 students.

The internship process saw participation of over 95 companies, offering roles across domains like consulting, finance, sales and marketing, operations, business development, human resource and industrial relations.

Sources said several new companies joined the elite list of headhunters this year. The highest stipend offered was Rs 1.65 lakh per month.

The Boston Consulting Group, AT Kearney, Accenture Strategy, EY, Deloitte, KPMG and PwC recruited students in the consulting discipline while P&G, Colgate-Palmolive, Hindustan Unilever Limited, Nestle, Johnson & Johnson, Mondelez, Coca-Cola, PepsiCo, ITC India and AB InBev were among regular recruiters from the FMCG sector.

Goldman Sachs, HSBC, Avendus Capital, JPMorgan Chase, CitiBank, Kotak Wealth, Maitreyi Capital Advisors, ICICI Bank, Yes Bank and Edelweiss represented the financial services sector.

Tata Administrative Services, Aditya Birla Group, RP Goenka, Mahindra and Bharti Airtel offered general management roles while General Electric, Shell, Samsung Electronics, Bharti Airtel and Star also extended offers to candidates.

"This has been a good year for summer recruitments. We are extremely grateful to all companies for reaffirming their trust in the XLRI brand and our student community. We sincerely hope that our relationship with the recruiting organisations will go from strength to strength and continue to be mutually beneficial in the years ahead," said Uday Damodaran, chairperson (placements).

PUBLICATION: The Times of India
DATE: 23 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 2

Need many Kuriens in Jharkhand: Jean Dreze

TIMES NEWS NETWORK

Economist Jean Dreze

Jamshedpur: Noted developmental economist Jean Dreze on Saturday said greater cooperative initiatives were needed for ushering in social and economic prosperity among the rural people of the state. Advocating larger involvement of non-profit enterprises in village-based economic activities for sustainable development and growth in rural areas, Dreze said dependence on public sector bodies alone would not be very helpful.

Delivering the fifth Dr Verghese Kurien memorial oration at XLRI, Dreze said: "Social entrepreneur Dr Verghese Kurien is a prime example. He was a true peoples' engineer who applied his knowledge and channelled his resources to promote cooperative marketing of milk in a small village in Anand (Gujarat). There's hardly any Verghese Kurien visible amid villagers in Jharkhand. It is, therefore, despite having plenty of resources and after putting in hard work, rural producers are not earning much," he said.

Acknowledging Kurien's vision and contribution to start a cooperative movement that transformed India into the largest milk-producing country in the world and shaping a business model by helping create Amul, Dreze said the Kurien's ideas can be replicated in Jharkhand.

He said that if profit-making enterprises work with an objective to pass on a share of their gains to producers, the condition of the villages will improve.

He added that political independence is incomplete if economic and social freedom of the masses is not achieved. Delivering his speech in Hindi, Derze said economic empowerment will root out many ills, like gender inequality and rural-urban divide, in the society. "Economic dependence of women on men is one of the main causes of all kinds of injustice that we have been witnessing in the society," he said.

Earlier, XLRI director Fr E Abraham said, "We decided to institute an annual oration to commemorate Dr Kurien's legacy. His life and work exemplified the model for a responsible management leader, combing business skills with the greater good of the society and nation-building."

PUBLICATION: The Avenue Mail
DATE: 20 September 2018
EDITION: Jamshedpur
PAGE: 5

XLRI students participate as panelists to discuss importance of employee relations

Jamshedpur, Sept. 19 : Students from SAPPHIRE - XLRI recently participated at the 6th National Awanish Dev Memorial Lecture held in Kolkata.

The XLRI students were among the six student panelists selected from various B-Schools to speak in the panel discussion on the theme "Redefining ER Strategy in Digital Era" during the session. During the course of this discussion, students were asked questions by the dignitaries and others in the audience, which were individually answered and further deliberated upon throughout the discussion. The discussion and reinforced the importance that employee relations has today.

The lecture session, organised by Maruti Suzuki and XISS Ranchi to commemorate the Maruti Suzuki Manesar plant incident of 2012, was participated by IR Industry leaders, CXOs, consultants, employee relations professionals, senior executives of companies and top B-Schools of the region. The student representatives from SAPPHIRE - XLRI said that the opportunity to listen to such personalities was an immense learning experience for them.